अक्टूबर 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

PDA का नारा 2027 है हमारा

R.N.I. No. 68832/97

नेताजी अमर रहें

22 नवंबर 1939 - 10 अक्टूबर 2022

तृतीय पुण्यतिथि पर

श्रद्धांजलि

समाजवादी बुलेटिन

अक्टूबर 2025

वर्ष 26 | संख्या 12

PDA काव्य विचार

समाजवादियों का दुलारा है
PDA का वह प्यारा है।
नाम है अखिलेश उनका
नेताओं में सबसे न्यारा है।
PDA ने यह पुकारा है
यही सच्चा नेता हमारा है।
PDA का नारा है
अब वक्त हमारा है॥

-यशवंत रावत
कुर्सी, बाराबंकी

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

नेताजी के सपनों को पूरा करने का संकल्प 06

16 कवर स्टोरी

PDA का नारा 2027 है हमारा

जीएसटी : बदलाव का दावा, जनता के साथ भद्दा मजाक 30

महंगाई से त्रस्त जनता के आक्रोश को देखते हुए भाजपा सरकार ने जीएसटी की दरों में सुधार का दावा कर अपनी पीठ खुद ही ठोकनी शुरू कर दी है। इस सुधार के दावों के बीच उसने बचत उत्सव मनाकर जनता को फिर ठगने और धोखा देने का काम किया है।

आजम साहब पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस होंगे 12

पुलिस की घेराबंदी धरी रह गई, जेपी की प्रतिमा पर हो गया माल्यार्पण 34

समाजवाद के 90 साल बनाम आरएसएस के 100 वर्ष

उदय प्रताप सिंह

आज भारत की राजनीति में आरएसएस की संकीर्ण विचारधारा का अगर कोई तोड़ है तो वह समाजवादी विचारधारा है, समाजवादी दर्शन है। दोनों विचारधाराएं एक दूसरे के सामने ही खड़ी हैं।

समाजवादी दर्शन के 90 साल पूरे होने पर पुणे शहर में एक बड़ा सेमिनार हुआ जिसमें तमाम बड़े समाजवादियों ने हिस्सा लिया और समाजवादी विचारधारा को दोबारा सक्रिय करने और उसे भारत के नौजवान, नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लेने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रसिद्ध विचारक योगेंद्र यादव ने 24 सितंबर 25 के इंडियन एक्सप्रेस में एक लेख लिखा है कि हमको कैसे समाजवाद की आवश्यकता पहले से अधिक प्रतीत होती है। उन्होंने आशंका प्रकट की कि समाजवाद कमजोर हो रहा है।

जिस तरह से मंडल और कमंडल के विवाद के समय हिंदी बेल्ट में समाजवाद ने जोर पकड़ा था और और दक्षिणपंथी विचारधारा को रोकने का जोश दिखाया था और बहुत

हद तक सफल भी हुए थे, आज की तारीख में वह तेवर अब कमजोर पड़ता हुआ दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा को सरसरी तौर पर वामपंथी विचारधारा के साथ नत्थी कर दिया जाता है जबकि समाजवादी विचारधारा मार्क्सवाद और वामपंथियों एवं वामपंथ से कई बातों में भिन्न है। कम्युनिस्ट विचारधारा समानता का समर्थन करती है लेकिन उनकी असमानता की चिंता केवल आर्थिक असमानता तक ही सीमित है और आज पूंजीवाद का विश्व स्तर पर इतना दबदबा बढ़ गया है कि साम्यवाद का सारा तेज और प्रकाश समाप्त होता जा रहा है ।

वैसे भी साम्यवाद केवल आर्थिक समानता तक सीमित है जबकि हमारे यहां वर्ण भेद ,धर्मभेद, लिंगभेद, भाषाई भेद से भी लड़ाई प्रमुख हैं। समाजवादी विचारधारा के एक से एक बड़े विद्वान हुए हैं जिनका कोई आज नाम नहीं लेता और जिनकी विचारधारा से नई पीढ़ी बिल्कुल अपरिचित है।

डाॅ राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र देव, युसूफ मेहर अली, कर्पूरी ठाकुर, रवि रे, एसएम जोशी, मृणाल गोरे, किशन पटनायक की विचारधारा तो छोड़िए नई पीढ़ी को उनके नाम भी नहीं मालूम। मामा बालेश्वर, मराठी लेखक साने गुरु और कमला देवी चट्टोपाध्याय का नाम तो पुराने पीढ़ी के समाजवादियों को भी कम ही याद होंगे या पता होंगे। यह दुखदायी पहलू है।

हमें हर हालत में इस विचारधारा को मजबूत करना होगा और जनता तक ले जाना होगा क्योंकि भारत के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक राजनीतिक परिवेश में समाजवादी विचारधारा सर्वाधिक कारगर है।

आरएसएस के संकीर्ण विचारधारा का सामना केवल समाजवादी वैचारिकी कर सकती है। भारत की वर्तमान राजनीतिक स्थिति में आरएसएस, भाजपा और उनके तमाम अनुषांगिक संगठनों की मिलीजुली ताकत से लड़ना बहुत जरूरी हो गया है वरना उनके हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना से संविधान लोकतंत्र और गणतंत्र और भारत की मिली जुली संस्कृति को कदम-कदम पर खतरा बढ़ता हुए दिखाई देगा।

नई पीढ़ी को अगर वर्तमान संवैधानिक प्रावधानों से परिचित नहीं कराया गया और समाजवादी आंदोलन की विचारधारा जो हमारे देश के संविधान की आत्मा है, उसको बल नहीं दिया गया, लोकप्रिय नहीं किया गया तो इस देश में आजादी और लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा

इसलिए दूसरी पार्टियों को साथ लेकर चलना यद्यपि समाजवादी पार्टी के लिए जरूरी हो गया है लेकिन समय की मांग है कि समाजवादी विचारधारा के मूल सिद्धांतों को भारत की वर्तमान जन समस्याओं से जोड़कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी बहुत जरूरी है। उसके लिए जो भी सफल क़दम हम उठा सकते हैं, उठाने चाहिए।

आरएसएस और भाजपा की सरकार ने मिलकर धार्मिक आधार पर देश में ध्रुवीकरण करने का कोई उपाय नहीं छोड़ा। इन पिछले 100 सालों में उनका एक ही सपना रहा है कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना कैसे की जाए और उनका हिंदू राष्ट्र मनुस्मृति के सिद्धांत पर चलेगा, यह तय है। इसकी भी संभावना अधिक है कि ऐसा हुआ तो 15% हिंदू सर्व अधिकार संपन्न होंगे जबकि शेष छोटी जातियां एवं पीडीए समुह को हिंदू होते हुए भी वह सब अधिकार नहीं मिलेंगे जो भारत के वर्तमान संविधान में उन्हें दिए हैं।

भारत की जनता को खासतौर से नई पीढ़ी को अगर वर्तमान संवैधानिक प्रावधानों से परिचित नहीं कराया गया और समाजवादी आंदोलन की विचारधारा जो हमारे देश के संविधान की आत्मा है, उसको बल नहीं दिया गया, लोकप्रिय नहीं किया गया तो इस देश में आजादी और लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा ।

अगर हम एशिया के कई देशों पर नजर डालें, जहां हाल में ही ऐसी ही स्थिति के चलते जन क्रांति जैसी स्थिति पैदा हुई है तो यह कहना अनुचित नहीं होगा कि अगर हम समय से नहीं जागे तो हमारे देश को भी ऐसा ही समय देखना पड़ सकता है।

नेताजी के सपनों को पूरा करने का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक, भारत के पूर्व रक्षामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय श्री मुलायम सिंह यादव जी की तीसरी पुण्यतिथि 10 अक्टूबर को देश-प्रदेश में श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने देशभर में मरीजों में फल वितरण, गरीबों-असहायों में भोजन वितरित किए और गोष्ठियां कर नेताजी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए रास्ते पर चलते हुए सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का संकल्प लिया।

मुख्य कार्यक्रम सैफई (इटावा) में नेता जी की समाधि स्थल पर आयोजित किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन, मैनपुरी से सांसद श्रीमती डिंपल यादव, सांसद धर्मेन्द्र यादव, सांसद अक्षय यादव, सांसद आदित्य यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, श्री अनुराग यादव समेत समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने नेताजी की समाधिस्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

नेताजी को शत-शत नमन करते हुए श्री अखिलेश यादव ने नेताजी के संघर्ष और सिद्धांतों पर चलते हुए उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि नेताजी ने समाजवादी विचारों और गरीबों, वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को न्याय और राजनीतिक ताकत दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यहां समाधि स्थल पर नेताजी की याद में मेमोरियल बनाया जा रहा है। समाजवादियों का मेमोरियल नेताजी को समर्पित है। नेताजी के इस मेमोरियल से हम सबको हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस मेमोरियल के माध्यम से नेताजी हम सबके जीवन में हमेशा वैसे के वैसे अपने विचारों के रूप में जिंदा रहेंगे। नेताजी की पुण्यतिथि पर हम लोग संकल्प लेते हैं कि संविधान की रक्षा के लिए, संविधान को बचाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करते रहेंगे। संविधान हम सबके लिए संजीवनी है। संविधान ही ढाल है। हम सब

श्रद्धेय नेताजी

नेताजी का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। किसानों, मजदूरों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों के हक और सम्मान के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी ने फौज के लोगों, किसानों और पीडीए के लिए तमाम फैसले लिए जिनसे समाज में बदलाव आया। नेताजी ने हर मौके पर संविधान, लोकतंत्र, समाजवाद और भाईचारा मजबूत करने और समाजवादी व्यवस्था लागू करने का काम किया। अपना पूरा जीवन लगा दिया। समाजवादी पार्टी इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ा कर पीडीए परिवार के लोगों को सम्मान और हक दिलाएगी।

श्री यादव ने कहा कि आज संविधान को कमजोर किया जा रहा है। आरक्षण को छीना जा रहा है। भाजपा सरकार और कुछ ताकतें आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रही हैं। समाजवादी पार्टी ऐसी ताकतों को हमेशा-हमेशा के लिए हराने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि हर पीड़ित, दुःखी, अपमानित एक पीड़ा के सूत्र में बंधे हैं। पीडीए के अधिकार, सम्मान के लिए तथा पीडीए के साथ हो रहे जुल्म, नाइंसाफी, अत्याचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखते हुए समाजवादी पार्टी प्रदेश में सरकार बनाकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोगों की कोशिश है कि अगले वर्ष नेताजी की जयंती 22 नवंबर 2026 तक प्रेरणा स्थल का मुख्य भाग बन जाए और बड़े कार्यक्रम के साथ उद्घाटन हो जाए। उन्होंने नेताजी के प्रेरणा स्थल बनाने में सहयोग दे रहे सभी लोगों का आभार प्रकट किया। श्री अखिलेश यादव ने इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेताओं, साइकिल यात्रा और पदयात्रा करके आए कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में गायक कलाकारों ने भजनों और गीतों के माध्यम से नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर नेता विरोधी विधान सभा

भावपूर्ण श्रद्धांजलि
श्रद्धेय

समाजवादी पार्टी के संस्थापक
भारत के पूर्व रक्षामंत्री एवं उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री
धरतीपुत्र
श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी

माता प्रसाद पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं एमएलसी बलराम यादव, सांसद देवेश शाक्य, एमएलसी जासमीर अंसारी, श्री मुकुल यादव, विधायक आशु मलिक, प्रदीप यादव, अनिल प्रधान, जयप्रकाश अंचल, पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव, पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय, पूर्व मंत्री अम्बिका चौधरी, चन्द्रदेवराम यादव, रामआसरे विश्वकर्मा, अरविन्द यादव, सुनील सिंह साजन, सलामतुल्ला, इटावा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य, जावेद आब्दी, राजकुमार भाटी, अनुराग भदौरिया समेत बड़ी संख्या में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय लखनऊ व उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में भी नेताजी को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। जिलों में पार्टी नेताओं ने इस अवसर पर मरीजों में फल वितरण, भंडारा व महिलाओं में साड़ी वितरण भी किया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। श्रद्धांजलि सभा में श्री राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया की राजनैतिक विचारधारा और चौधरी चरण सिंह की कृषिपरक नीतियों को मुलायम सिंह जी ने आगे बढ़ाया। वे सदैव नफरती राजनीति और सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्षरत रहे। श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी नेताजी के रास्ते पर ही चल रही है। सामाजिक न्याय का राज स्थापित करने के लिए समाजवादी पार्टी संकल्पित है।

नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख सर्वश्री अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, शाह आलम गुड्डू जमाली एमएलसी, शैलेन्द्र यादव ललई पूर्व मंत्री, डॉ राजपाल कश्यप, रामबृक्ष यादव, राजेश यादव सभी पूर्व एमएलसी राजकुमार मिश्र प्रदेश कोषाध्यक्ष, ईदरत हक, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्व अहमद हसन की सुपुत्री, मुकेश शुक्ला पूर्व पार्षद, प्रेमा मिश्रा, शंखलाल मांझी पूर्व मंत्री, विजय सिंह, अमरजीत यादव, माजिद राणा, राम सिंह राणा, व्यास जी गोंड, राधेश्याम सिंह, आईपी सिंह, अच्छे लाल सोनी, सोनू कनौजिया, आदर्श सिंह एडवोकेट, अमरजीत सिंह, डॉ रितेश कुमार सिंह, चौ.अमर सिंह, सुधीर चौधरी, कमाल अहमद खान, सुरेश यादव, भास्कर उपाध्याय, श्रीमती जानकी पाल, शाहीन फातिमा, जान आलम खान, डॉ रितेश यादव, शुजात आलम, दिलीप कुमार पासवान, रवीन्द्र श्रीवास्तव अंगारा, श्रीमती संगीता यादव, नरेन्द्र सिंह यादव, मु. रब्बुद्दीन, महफूज आलम, एसएन चंद्रा, संजय यादव, केके श्रीवास्तव, डॉ हरिश्चंद्र सिंह, राधेश्याम सिंह, महताब सिंह यादव, श्यामजी गुप्ता, हरिचरण यादव, बृजमोहन बबलू अहिरवार, अरुण यादव, मनीष यादव, सुनील यादव, आलोक प्रताप यादव, निखिल कनौजिया, सूरज पटेल, करन सिंह, डॉ. केडी सरोज, इं विनोद यादव, सिराज अहमद, स्वामी नाथ यादव, अनीस खां, प्रिंस यादव, रंजीत यादव, केपी यादव, संतोष कुमार धरकार, अंकित यादव, धारा सिंह यादव, हाजी इसहाक सिद्दीकी, समीर सिंह पटेल, विकास यादव सिम्बा, कमलेश यादव, शुजा आलम कुरैशी, सुभाष चन्द्र यादव, दिग्विजय सिंह एडवोकेट, जगतपाल यादव, उमेश कुमार गुलबहार, पुनीत यादव, अमित यादव, अनुपम पाल, संजय कुमार सिंह, संतोष कुमार मिश्रा, राघवेन्द्र यादव, पंकज यादव, नवनीत कुमार, हरेन्द्र यादव, रूप सिंह, मौलाना इसराइल, विजय प्रताप यादव आदि ने पुष्पांजलि अर्पित कर नेताजी को नमन किया।

आजम साहब पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस होंगे

- अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 8 अक्टूबर को रामपुर पहुंच कर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां साहब से मुलाकात की। श्री अखिलेश यादव ने मोहम्मद आजम खां साहब के रामपुर स्थित आवास पर मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इससे पहले श्री अखिलेश यादव के रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय में हेलीकॉप्टर से पहुंचने पर मोहम्मद आजम खां साहब ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जौहर विश्वविद्यालय से दोनों नेता आवास पर पहुंचे।

मोहम्मद आजम खां साहब से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मोहम्मद आजम खां साहब पर लगे सभी झूठे मुकदमे खत्म किए जाएंगे। साथ ही अन्य तमाम लोगों पर लगे झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे।

सपा मुखिया ने कहा कि मोहम्मद आजम खां साहब समाजवादी पार्टी के दरख्त हैं। हमारा साथ हमेशा रहा है, हमेशा रहेगा। हम मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। हमारी मुलाकात बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा कि पुराने नेताओं और नेताजी के साथ के लोगों की बात ही अलग है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता भाजपा को हटाने जा रही है। 2027 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। पीडीए की आवाज बुलंद होगी। भाजपा सरकार ने आजम साहब पर झूठे मुकदमे लगाए हैं।

आजम खां साहब और उनके पूरे परिवार को झूठे मुकदमे लगाकर परेशान किया गया। भाजपा सरकार ने परिवार को बहुत तकलीफ और परेशानी पहुंचाई। ऐसा लगता है भाजपा सरकार अन्याय, अत्याचार का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रही है।

श्री यादव ने कहा कि जो लोग मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वह सब कुछ बर्बाद कर रहे हैं। मोहम्मद आजम खां साहब ने जौहर विश्वविद्यालय में बहुत अच्छा काम किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज के लोगों को अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई सुप्रीमकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कल्पना कर सकता है, लेकिन भाजपा सरकार में यह भी हुआ। सुप्रीम कोर्ट में जो हुआ उससे यह बात साबित हो रही है कि पीडीए के लोग चाहे जहां और चाहे जिस पद पर हों, उन्हें जीवन में कभी न कभी अपमानित होना पड़ा है। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी समाज के लोगों को भाजपा सरकार में अपमानित होना पड़ रहा है।

इससे पहले 23 सितंबर को मोहम्मद आज़म खां साहब की रिहाई पर खुशी का इजहार करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम कोर्ट का धन्यवाद करते हैं। मोहम्मद आजम

ANI

खां साहब की रिहाई हो गई है। हम समाजवादियों को भरोसा था कि कोर्ट मोहम्मद आजम खां साहब के साथ न्याय करेगा। भाजपा सरकार ने उन पर झूठे मुकदमे लगाए। उन्हें न्याय मिला है। वे रिहा हो गए हैं। हम सभी के लिए आज खुशी का दिन है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मोहम्मद आजम खां साहब और हम सब ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी के साथ मिलकर लंबी लड़ाई लड़ी। भाजपा से मुकाबला किया। इस लड़ाई में मोहम्मद आजम खां साहब और समाजवादियों की बड़ी भूमिका है। आने वाले समय में आजम खां साहब पर लगे मुकदमे खत्म होंगे। जिस तरह से मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ ने अपने उपमुख्यमंत्री और अन्य तमाम भाजपाइयों के मुकदमें वापस लिए हैं वैसे ही समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मोहम्मद आजम खां साहब पर लगे सभी मुकदमें वापस लिए जाएंगे।

आजम साहब की रिहाई पर सोशल मीडिया पर पोस्ट में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मोहम्मद आजम खां साहब की रिहाई उनके और उनके परिवार और हम सब के साथ-साथ, उन सब लोगों के लिए राहत और ख़ुशी की बात है जो 'इंसाफ़' में ऐतबार करते हैं। न्याय में विश्वास को बनाए रखने के लिए अदालत का दिल से शुक्रिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज फ़र्ज़ी मुकदमे करने वालों को भी ये सबक मिल गया है कि हर 'झूठ' की एक मियाद होती है और हर 'साजिश' की भी। जो लोग सामाजिक सौहार्द के प्रतीक होते हैं, भाजपा को वे कभी अच्छे नहीं लगते हैं।

श्री यादव ने कहा कि मोहम्मद आजम खां साहब एक बार फिर से हर उपेक्षित, पीड़ित, दुखी, अपमानित के साथ खड़े होकर, भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के द्वारा किये जा रहे जनता के दमन के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाएंगे और हमेशा की तरह देश-प्रदेश की भावनात्मक एकता के प्रतीक बनकर, समाजवादी मूल्यों और सिद्धांतों के साथ, सामाजिक न्याय के संघर्ष की राह पर आगे बढ़ते जाएंगे। इंसाफ़ ज़िंदाबाद!

PDA

PDA का नारा 2027 है हमारा

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की सत्ता की चाबी अब PDA के हाथ में है और PDA समाज तय कर चुका है कि अधिकार व सम्मान के लिए 2027 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनानी है ताकि सामाजिक न्याय का राज स्थापित हो सके और दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों को सत्ता में भागीदारी मिले।

एकजुट हो चुका PDA समाज सिर्फ वोट देने के लिए ही नहीं बल्कि वोटों की रखवाली के लिए भी जागरुक और मुस्तैद हो चुका है। PDA की एकता ने यूपी में समाजवादी सरकार का रास्ता साफ कर दिया है। चूंकि सर्वसमाज ने यह देखा है कि श्री अखिलेश यादव सत्ता में रहते हुए सर्वसमाज के कल्याण, खुशहाली के लिए काम करते हैं और उनकी सरकार में सभी के साथ न्याय होता है इसलिए P D A के साथ ही सर्वसमाज भी साथ आ गया है।

भाजपा राज में सर्वसमाज को भी निराशा और प्रताड़ना मिली है इसलिए वह भी PDA के साथ खड़ा होकर भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने को तैयार है। यही वजह है कि मौजूदा सूरत-ए-हाल 2027 में सपा सरकार बनने के माहौल पर मुहर लगा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में PDA समाज ने एकता और जागरुकता के बल पर यूपी में भाजपा को करारी शिकस्त देकर यह संदेश दे रखा है कि वह जागरुक हो चुका है और अब उसकी उपेक्षा नहीं हाेने पाएगी।

PDA की ताकत का एहसास होते ही सत्तारूढ़ भाजपा में भी खलबली मची हुई है और वह इस एकता को तोड़ने की कोशिशों में भी तरह-तरह के हथकंडे अपनाने में जुटी है। चूंकि सर्वविदित है कि भाजपा साजिशें करती हैं इसलिए PDA भी और जागरूक होकर अब ऐलानिया कहने लगा है कि 2027 में PDA की सरकार ही होगी।

यूपी में कानून-व्यवस्था से लेकर अस्पताल, खाद-बीज के वितरण, तहसील, थानों और हर कार्यालयों को बुरा हाल है। व्यापारी से लेकर नौजवान, छात्र तक इस सरकार से परेशान और बेहाल हैं इसलिए अब भाजपा सरकार का जाना बिल्कुल तय है।

शिक्षकों, बेरोजगारों पर लाठियां बरसाने, नफरती एजेंडे को आगे करने और महंगाई

की मार से त्रस्त जनता के सामने भाजपा की पोल खुल चुकी है और वह फैसला कर चुकी है कि भाजपा हटेगी तभी उनके जीवन में खुशहाली आएगी।

यह सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव की वजह से ही संभव हो पाया कि पूरे देश में जातीय जनगणना कराने का माहौल बना। श्री यादव देशभर में यही मांग उठाते रहे कि आबादी के हिसाब से योजनाओं में अधिकार व सम्मान देने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है ताकि यह पता चल सके कि किस जाति की आबादी कितनी है।

उनकी यह दलील दूसरे दलों को भी समझ में आई कि जातीय जनगणना से आबादी के हिसाब से योजनाएं बनाने में आसानी होगी। नतीजा यह हुआ कि दूसरे राज्यों ने जातीय जनगणना पर अमल शुरू किया। सत्ता में आने पर यूपी में भी जातीय जनगणना कराकर श्री अखिलेश यादव ही सम्मान व अधिकार देंगे इसलिए भी PDA समाज उनके साथ मजबूती के साथ न सिर्फ जुड़ा है बल्कि उनके हाथों को मजबूत करने में भी जीजान से जुटा हुआ है।

जीएसटी की मार से परेशान व्यापारी भी अब भाजपा से निजात चाहते हैं क्योंकि जीएसटी के बहाने उनका लगातार उत्पीड़न किया जाता रहा और अब सुधार के नाम पर व्यापारियों के ग्राहकों से रिश्ते खराब करने का भी काम किया गया। व्यापारी भी चाहता है कि भाजपा सरकार जाए ताकि उन्हें जीएसटी के नाम पर उत्पीड़न से निजात मिले।

2012 से 2017 तक श्री अखिलेश यादव की सरकार सबने देखी है और यह समझा कि उन्होंने बिना किसी भेदभाव के विकास के एजेंडे पर काम किया। यूपी में मेट्रो हो या लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, लखनऊ का इकाना स्टेडियम हो या फिर बिजली उत्पादन के लिए बिजली घरों को निर्माण, सब श्री अखिलेश यादव की सरकार की ही देन रही है। वहीं भाजपा सरकार ने 8 सालों में सिर्फ समाजवादी सरकार के कामकाज का श्रेय लेने की ही कोशिश की।

जिस तरह यूपी में पीडीए समाज पर जुल्म बढ़े हैं, वह बताता है कि पीडीए के प्रति भाजपा की सोच कितने निचले स्तर की है और वह पीडीए समाज को आगे बढ़ने से रोकने की साजिशें करती रहती है। कभी

आरक्षण पर हमला तो कभी नौकरियों और तैनाती में भेदभाव के जरिये पीडीए समाज की राह में कांटे बिछाए जाते हैं। तमाम संस्थाओं के निजीकरण के पीछे भी आरक्षण खत्म करने की साजिश ही है।

जुल्म, ज्यादती, अत्याचार, बेरोजगारी, महंगाई, महिला हिंसा, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, खाद-बीज की किल्लत, बाढ़ से परेशानी, बिजली कटौती, गड्ढायुक्त सड़कें, जीएसटी की मार, भ्रष्टाचार, बेइमानी, गरीबों की शिक्षा पर हमला आदि ऐसे तमाम मुद्दे हैं जिससे परेशान पीडीए ने एकजुट होकर श्री अखिलेश यादव के पक्ष में उद्घोष कर दिया है कि 2027 हमारा है।

यकीनन पीडीए के इस उद्घोष को 2027 में जयघोष में बदलने अब कोई नहीं रोक सकता यानी 2027 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में पीडीए की एकता के बल पर अब समाजवादी पार्टी की जीत पक्की है।

जनता बदलाव के लिए तैयार

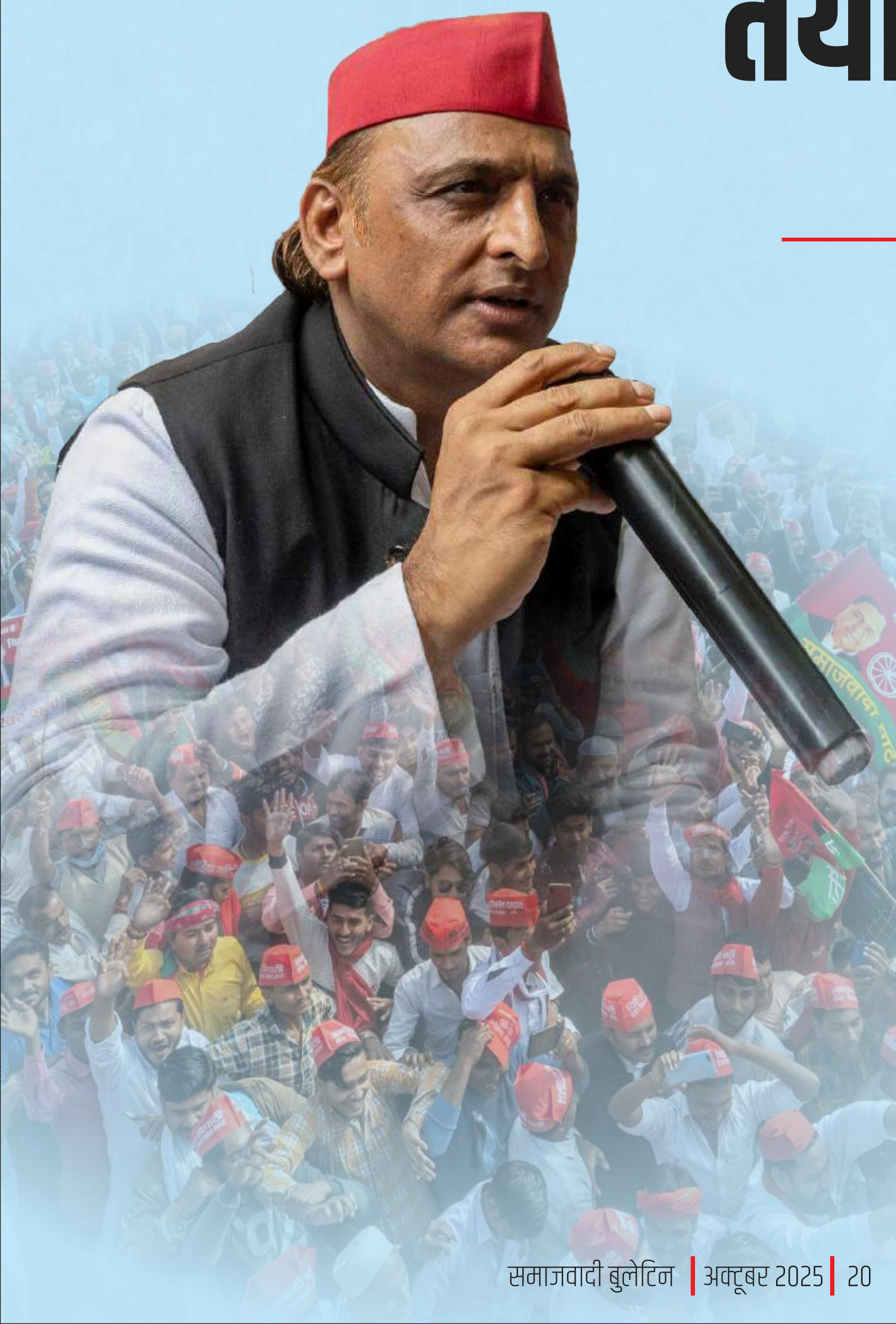

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के जरिए ही संभव है। गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त हैं। आरक्षण को समाप्त करने की साजिशें हो रही हैं। समाजवादी पार्टी, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर चलती है।

वह धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और संविधान की मूल स्थापनाओं के साथ प्रतिबद्ध है। श्री यादव ने कहा कि जनता बदलाव के लिए व्याकुल है। वह और इंतजार के मूड में नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी की

सरकार बनना सुनिश्चित है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। भाजपा हटेगी तभी संविधान बचेगा। आरक्षण बचेगा। सामाजिक आर्थिक गैरबराबरी मिटेगी और लोगों में खुशहाली आएगी।

उन्होंने कहा है कि भाजपा की हार के बाद सामाजिक न्याय का राज कायम होगा। पीडीए जीतेगा और जातीय जनगणना से समानुपातिक आधार पर सबको हक और सम्मान मिलेगा।

विभिन्न जिलों से आए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है।

किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार से हर वर्ग परेशान और त्रस्त है। भाजपा सरकार में पीडीए के साथ लगातार अपमान और उपेक्षा हो रही है। पीडीए एकजुट हो रहा है। पीडीए सामाजिक-राजनीतिक विकल्प है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद संविधान की प्रस्तावना में है और भाजपा इन्हीं पर हमले कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और कालाबाजारी का जोर है। हर विभाग और हर काम में भ्रष्टाचार और लूट है। भाजपा के विधायक खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें विधायक निधि से दस फीसदी कमीशन मिल रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कमीशनखोरी की तरह कालाबाजारी और मुनाफाखोरी भी चरम पर है। किसानों को फसलों के लिए खाद नहीं मिली। पूरे प्रदेश में खाद की कालाबाजारी हो रही है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों को साजिश के तहत योजनाबद्ध तरीके से तबाह और बर्बाद किया जा रहा है। जिससे किसान खेती-किसानी छोड़कर मजदूरी करने पर विवश हो जाएं। यह सरकार किसानों की जमीन और खेती किसानी हड़पना चाहती है। प्रदेश का नौजवान, बेरोजगार, किसान भाजपा के षड्यंत्रों को समझ रहा है। 2027 में प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया कर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का अंत करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को अराजकता में धकेल दिया है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं बर्बाद हो चुकी हैं। कानून-व्यवस्था पर इस सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। राजधानी लखनऊ भी अपराधिक घटनाओं से सुरक्षित नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के तमाम जिलों में हर रोज हत्या, लूट की घटनाएं हो रही हैं। भाजपा सरकार में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा सरकार के सारे नारे और दावे खोखले साबित हुए हैं। यही हाल स्वास्थ्य विभाग का है। अस्पतालों में दवा, इलाज नहीं मिल रहा है। सरकार की नीतियों से परेशान होकर बड़े-बड़े मेडिकल संस्थानों के डॉक्टर इस्तीफा दे रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार की अकर्मण्यता से हर वर्ग परेशान है। जनता में भारी आक्रोश है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा के अहंकारी शासन का अंत कर देगी।

संगठन को मथ रहे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की जनता को न्याय दिलाने, उनके अधिकारों व सम्मान की लड़ाई लड़ रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए संगठन को मथना शुरू कर दिया है।

समाजवादी सरकार बनाने के जनता के मिजाज़ के खिलाफ भाजपा बेईमानी व धांधली न करने पाए इसलिए संगठन को लगातार धार देने में जुटे श्री अखिलेश यादव ने संगठन को मथने की जिलेवार शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों से की है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिलों के संगठन के नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए श्री अखिलेश यादव बूथ स्तर पर हो रही तैयारी की समीक्षा कर रहे हैं। नेताओं-कार्यकर्ताओं को श्री अखिलेश यादव ने संगठन को मजबूत करने के टिप्स दे रहे हैं। ये बैठकें आगे भी जारी रहेंगी ताकि निरंतरता बनी रहे।

बुलंदशहर-हापुड़

14 सितंबर को बुलंदशहर व हापुड़ के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बैठक की। बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को हराकर उत्तर प्रदेश को बचाना है क्योंकि इस सरकार में लूट की पराकाष्ठा है, हर विभाग, हर कार्य में भ्रष्टाचार है। भाजपा भूमाफिया पार्टी है। भाजपा के नेता जिलों-जिलों में सरकारी

जमीनों, तालाबों, गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों से किसान, नौजवान, महिलाएं, व्यापारी सभी परेशान है। आम जन मानस भाजपा के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज का लगातार अपमान हो रहा है। यह सरकार पीडीए समाज को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने को तैयार है। विधानसभा चुनाव में भाजपा की कोई चाल नहीं चल सकेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बिना सर्वे के नहीं घोषित किए जाएंगे। जीतने वाले प्रत्याशियों को ही चुनाव लड़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जनता के बीच रहें। मतदाताओं के संपर्क में रहें। भाजपा बेईमानी करने और वोट चोरी की कोशिश कर सकती है। भाजपा से सावधान रहना है।

वह वोट काटने की भी साजिश कर सकती है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा के षडयंत्रों पर नज़र रखें। नेताओं, कार्यकर्ताओं को बहुत काम करना होगा। वोट बनवाना, वोट बचाना, वोट पड़वाना और वोट गिनवाना। सभी कार्यों को लेकर सजग रहना होगा तभी लोकतंत्र और संविधान बचेगा।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार बनते ही महंगाई, बढ़ती गई है। भ्रष्टाचार पर कोई अंकुश नहीं है। थाना, तहसील में उगाही चल रही है। नौजवानों के लिए नौकरी नहीं रह गई हैं प्रदेश में न कोई पूंजी निवेश आ रहा है और नहीं कोई उद्योग लग रहा है। जो बड़े-बड़े वायदे किए गए थे वे हवाहवाई बनकर रह गए हैं। कोई बड़ा उद्योगपति यहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए आने को तैयार नहीं है। जनता ऊबी हुई है। उसे बस भाजपा से जल्दी से जल्दी निजात चाहिए।

बागपत, गाजियाबाद व नोएडा

17 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बागपत, गाजियाबाद व नोएडा के नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए संगठन स्तर पर हो रहे कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने बूथ स्तर पर होने वाली तैयारियों के बारे में जाना और जरूरी बिन्दुओं पर सुझाव दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग को जुगाड़ आयोग बना दिया है। भाजपा के लोग झूठे और बेईमान हैं। समाजवादी पार्टी

ने चुनाव आयोग से फर्जी वोटों को लेकर जो शिकायते की थीं, उन पर कोई कार्रवाई नही हुई है।

बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महोबा में एक ही पते पर चार हजार वोटर के नाम होने का पता चला है। इसी तरह से नोएडा में एक-एक पते पर सैकड़ों वोट बनाए गए हैं। चुनाव में भाजपा ने सारे वोट अपने पक्ष में ले लिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि एक ही पते पर इतने ज्यादा वोट बनना गंभीर विषय है। उससे भी गंभीर विषय है कि सारे वोट भाजपा ने अपने पक्ष में डलवा लिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग फर्जी आधार कार्ड बनाने की मशीन लाकर नकली आधारकार्ड बनाकर वोट डलवा लेते हैं।

श्री यादव ने पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ पर मजबूत बीएलए बनाएं। वोट बढ़वाएं। वोटरलिस्ट पर निगरानी करें। भाजपा का फर्जी वोट न बनने दे, अपना वोट बचाएं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के पास काम बहुत बढ़ गया है। वोट बनवाना, वोट बचाना, वोट पड़वाना और वोट गिनवाना।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने नोएडा, गाजियाबाद में जितना काम किया है, भाजपा सरकार छू भी नही सकती है। सैमसंग की फैक्ट्री का विस्तार समाजवादी सरकार में हुआ। नोएडा में बड़े पैमाने पर इन्वेस्टमेंट हुआ। नोएडा को बेहतर इन्फ्रांस्ट्रक्चर दिया। नोएडा से ग्रेटर नोएडा और नोएडा से दिल्ली की मेट्रो समाजवादियों की देन है।

कई फ्लाईओवर बनाए। एलीवेटेड रोड बनाए। नोएडा सेक्टर 18 में जितनी ऊंची मल्टी लेबल पार्किंग समाजवादी सरकार ने बनाई है, वैसी पूरे देश में कहीं नहीं होगी। समाजवादी सरकार ने पार्क बनाए। नोएडा क्रिकेट स्टेडियम बनाया। शिल्पग्राम बनाए। लखनऊ में बुनकरों, कारीगरों, शिल्पकारों के लिए शिल्पग्राम बनाया। इस तरह का आधारभूत ढांचा भाजपा अपने अब तक के कार्यकाल में नहीं बना पाई।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में बड़े-बड़े शहरों में आधारभूत ढांचा बनाना शुरू किया था। भदोही में कारपेट बाजार बनाया, नोएडा में सिटी सेंटर में शिल्पहॉट बनाया। साइबर सिटी पुलिस स्टेशन समेत अनेकों कार्य किए। नोएडा में दो हजार एकड़ ग्रीन बेल्ट पार्क बनाने की तैयारी कर दी थी। गाजियाबाद में सिंगल पिलर पर 6 लेन एलीवेटेड रोड बनाई, ये सिंगल पिलर पर सिक्स लेन की देश में पहली सड़क है। देश में ऐसी सड़क कहीं नहीं बनी थी। समाजवादी सरकार ने गांव और शहरों को बिजली देने के लिए फीडर सेपरेशन किया था।

श्री यादव ने कहा कि बागपत में बाढ़ में कई

गांव डूब गए, भाजपा सरकार में कोई मदद नहीं मिली कोई सुनने वाला नहीं है। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक आशु मलिक, जावेद आब्दी वरिष्ठ नेताराजकुमार भाटी समेत बागपत, नोएडा, गाजियाबाद के पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

औरैया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 20 सितंबर को औरैया जनपद के पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन के बारे में जानकारी लेने के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा समता, स्वतंत्रता, भाईचारे को नफरत पैदा कर कमजोर किया जा रहा है।

सभी संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता नष्ट करने की सुनियोजित साजिशें चल रही हैं। निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ही सवालों के घेरे में आ गया है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ गई हैं। उन्हें अपने व्यवहार और तर्क से भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जातीय जनगणना प्रारम्भ हुई तो सही तरीके से आरक्षण का पालन होगा। पीडीए की एकता और मजबूती से बदलाव आएगा। तमाम समस्याओं का समाधान होगा। पीडीए के लोगों ने मेहनत की तो लोकसभा चुनाव में पार्टी के ज्यादा सांसद जीते। पार्टी देश में तीसरे नंबर पर आ गई। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव के लिए आधार में चिप लगनी चाहिए ताकि फर्जी आधार कार्ड बनाकर फर्जी वोट न डाले जा सकें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों, नौजवानों, बेरोजगारों, मजदूरों और महिलाओं का भरोसा समाजवादी पार्टी पर बढ़ा है। समाजवादी कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची पर कड़ी निगाह रखनी है और अपने समर्थकों के वोट जुड़वाने में लगना होगा। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देनी होगी। 2027 में समाजवादी पार्टी की ही सरकार बनेगी। भाजपा के अब गिने चुने दिन रह गए हैं।

PDA हुआ और मजबूत
कई दिग्गज सपा में शामिल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने PDA को मजबूत करने की जो मुहिम छेड़ रखी है, उसका नतीजा है कि अब PDA समाज पूरी तरह जागरुक हो गया है और अपने अधिकार-सम्मान के लिए एक साथ खड़े होकर भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए समाजवादी पार्टी को मजबूत करने में जुटा है।

25 सितंबर को बड़ी संख्या में PDA समाज के लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी की नीतियों तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए शोहरतगढ़ के पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह, गौतमबुद्धनगर-नोएडा के किसान नेता श्री सुधीर चौहान, खजनी विधानसभा से बसपा के पूर्व प्रत्याशी विद्या सागर और बसपा के गोरखपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं गोरखपुर मंडल के पूर्व कोआर्डिनेटर श्री लालजी भारती हजारों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान इन सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए उम्मीद जताई कि इन साथियों के आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नोएडा और आसपास किसानों की लड़ाई लड़ने वालों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को काफी बल मिलेगा। समाजवादी पार्टी का पीडीए परिवार बढ़ाने का प्रयास मजबूत होगा। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए संघर्ष कर रही है। उसमें सफलता मिलेगी।

पूर्व विधायक सिद्धार्थनगर चौधरी अमर सिंह भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। वह अपना दल के चुनाव निशान से शोहरतगढ़ से चुनाव लड़ चुके हैं। श्री विद्या सागर और लालजी भारती बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं। श्री विद्या सागर बसपा से 2022 में खजनी विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं। श्री लालजी भारती बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गोरखपुर तथा गोरखपुर मंडल के कोआर्डिनेटर रह चुके हैं। जनपद गौतम बुद्ध नगर के भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह, नेता विरोधी दल विधानसभा माता प्रसाद पाण्डेय, सांसद लालजी वर्मा तथा श्री राम प्रसाद चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल तथा विधायक राहुल लोधी, श्री राम शंकर लोधी, पूर्व मंत्री नरेन्द्र वर्मा, जफर अमीन डक्कू आदि प्रमुख नेता शामिल रहे।

जिस तेजी के साथ समाजवादी पार्टी से PDA जुड़ रहा है, वह प्रमाण है कि PDA के साथ भाजपा सरकार में अन्याय व अत्याचार बढ़े हैं और PDA को विश्वास हो गया है कि श्री अखिलेश यादव ही भाजपा सरकार से मुक्ति दिला सकते हैं। समाजवादी पार्टी में आने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं का संकल्प है कि 2027 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। श्री अखिलेश यादव भी PDA को मजबूत करने के लिए दूसरे दलों से आने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं का तहे दिल से स्वागत कर रहे हैं।

विश्वकर्मा समाज का संकल्प अखिलेश को बनाएंगे सीएम

बुलेटिन ब्यूरो

विश्वकर्मा समाज ने 2027 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। विश्वकर्मा समाज भी भाजपा सरकार में दुखी है और श्री मुलायम सिंह यादव द्वारा विश्वकर्मा जयंती पर शुरू किए सार्वजनिक अवकाश को रद्द करने से आक्रोशित है। समाज का मानना है कि विश्वकर्मा समाज का सम्मान व अधिकार समाजवादी सरकार में ही सुरक्षित है।

15 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में विश्वकर्मा समाज की बैठक हुई। बैठक की शुरुआत में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा जी की आरती भी की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी और सरकार में सदैव विश्वकर्मा समाज को सम्मान दिया दिया है। समाजवादी सरकार में नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने भगवान विश्वकर्मा जयंती 17 सितम्बर को अवकाश घोषित किया था। भाजपा सरकार ने उसे रद्द कर दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने घोषणा की कि समाजवादी सरकार बनने पर विश्वकर्मा समाज के हक और सम्मान की व्यवस्था होगी। गोमती रिवरफ्रंट पर विश्वकर्मा जी की मूर्ति स्थापित की जाएगी जिसका सिंहासन सोने का होगा। विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित होगा। विश्वकर्मा समाज ने हमेशा समाजवादी पार्टी का साथ दिया है। हमें पूरा भरोसा है कि 2027 की लड़ाई में सब लोग एकजुट होकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना कराने में मदद करेंगे। हम विश्वकर्मा समाज को भरोसा दिलाते हैं कि उन्हें सामाजिक-आर्थिक और राजनैतिक सम्मान और स्थान दिलाने का काम करेंगे।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों का

आभार प्रकट किया। पूर्व मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक श्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज हुनरमंद, कुशल कारीगर है। भाजपा सरकार ने इसको तनिक भी प्रोत्साहित नहीं किया है। इस सरकार में विश्वकर्मा समाज की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं और बहू-बेटियों के साथ अन्याय, अत्याचार हो रहा है। न्याय नहीं मिल रहा है। सिर्फ अखिलेश जी हैं जो इस समाज के साथ खड़े हैं। उनकी सरकार में ही विश्वकर्मा समाज सुरक्षित रहेगा। अन्याय, अत्याचार से मुक्ति मिलेगी।

कार्यक्रम में श्री अच्छे लाल विश्वकर्मा, श्री रामऔतार विश्वकर्मा, इं. बृजेश कुमार, आशुतोष विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, रामऔतार विश्वकर्मा, राकेश उपाध्याय, हरीश मैथिल, बंटी शर्मा, दिनेश वत्स, श्याम लाल विश्वकर्मा, देशपाल पांचाल, शिव कुमार विश्वकर्मा, सुनील दत्त रत्नाकर विश्वकर्मा ओम प्रकाश शर्मा आदि प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

सपा सरकार बनाने में जुटा नाविक समाज

बुलेटिन ब्यूरो

प्रयागराज से आए नाविक मजदूर कल्याण समिति (रजि) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 13 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और भाजपा सरकार में हो रही तकलीफों को साझा करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मछली पकड़ने के लिए नदियों की नीलामी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आग्रह किया गया।

समस्याओं को सुनने के बाद नाविक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नाविक बंधुओं की चिंता में मुख्य बिंदु पर्यावरण की सुरक्षा है। इसकी उपेक्षा का परिणाम उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आई आपदाओं से दिखाई दिया है। नाविक अपने अधिकारों के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके साथ अन्याय हो रहा है। उनके पारंपरिक व्यवसाय को दबंगों को सौंपा जा रहा है।

श्री यादव ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन के कारण कई समस्याएं पैदा हुई हैं। जंगलों पर अवैध कब्जों के कारण जानवर बस्ती में आ रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के 2027 के घोषणा-पत्र में नाविकों को नई नावें देने का वायदा शामिल रहेगा। निषाद राज गुह्य की प्रतिमा गोमती रिवरफ्रंट पर स्थापित की जाएगी जिसमें नाव की पतवार सोने की होगी।

ज्ञापन में कहा गया है कि नदियों में मत्स्य आखेट करना मछुआरों का जन्मसिद्ध अधिकार है। उनके इस अधिकार को छीनने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी शासनादेश से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बहने वाली गंगा, यमुना, टोंस, बेलन इत्यादि नदियों में मछली पकड़ने के लिए कई खंड बनाकर उसकी नीलामी का प्रावधान किया गया है। यह सरासर गलत है।

बदलाव का दावा जनता के साथ भद्दा मजाक

बुलेटिन ब्यूरो

महंगाई से त्रस्त जनता के आक्रोश को देखते हुए भाजपा सरकार ने जीएसटी की दरों में सुधार का दावा कर अपनी पीठ खुद ही ठोकनी शुरू कर दी है। इस सुधार के दावों के बीच उसने बचत उत्सव मनाकर जनता को फिर ठगने और धोखा देने का काम किया है।

जीएसटी की दरों में सुधार के इस ऐलान का खेल जनता को समझ में आ गया है और हर तरफ से सवाल उठ रहे हैं कि यदि जीएसटी दरों में सुधार को जनता के लिए भारी फायदे वाला बताया जा रहा है तो क्या अब तक लागू जीएसटी की दरें जनता को परेशान करनेवाली थीं?

क्या जीएसटी के बहाने भाजपा सरकार ने पहले जनता को महंगाई की चपेट में रखा और अब उत्सव मनाने को कह रही है? दरअसल जीएसटी दरों में सुधार की बात जनता के साथ भद्दे मजाक से ज्यादा कुछ नहीं क्योंकि इसका कोई फायदा आम जनता को नहीं पहुंचने वाला है।

दरअसल सरकार में आने से पहले यही भाजपा जीएसटी का विरोध करती थी और फिर सत्ता में आने के बाद इसे अव्यावहारिक तरीके से लागू कर उसने आम जनता की कमर तोड़ दी, पूंजीपतियों को मुनाफा पहुंचाया और जब आम जनता पूरी तरह टूट गई और हर तरफ महंगाई की मार से त्रस्त जनता बदलाव के लिए कमर कसने लगी तो भाजपा ने जीएसटी में सुधार का शिगूफा छेड़ा और लोगों को झांसे में लेने के लिए इसे बचत बताते हुए उत्सव मनाने का ऐलान कर दिया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जीएसटी के मुद्दे पर भाजपा को घेरना शुरू किया और सवाल उठाए। उन्होंने जनता को बताया कि भाजपा ने दिखाने के लिए तैयार सामान पर जीएसटी घटा दी लेकिन वो सामान जिससे बनता है, उसके कच्चे माल पर जीएसटी बढ़ा दी। यही है भाजपा के जीएसटी गोलमाल का।

दरअसल भाजपाई तो सड़कों पर नारे लगाकर कीमतों में 50 प्रतिशत कमी का भाषण देकर निकल गए लेकिन जब जनता बाजार जा रही है और सस्ता माल नहीं पा रही है तो दुकानदारों से उनका विवाद हो रहा है। दरअसल भाजपा सुधार नहीं, ग्राहक-

दुकानदार के संबंधों को बर्बाद कर रही है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार ने आठ साल पहले आधी रात को जीएसटी लगाकर जश्न मनाया था, तब से अब तक देश की जनता पर भारी भरकम टैक्स लगाकर महंगाई बढ़ाई। भाजपा सरकार ने साइकिल से लेकर मोटर साइकिल तक और खाने-पीने की हर चीज, होटल, रेस्टोरेंट से लेकर कपड़े, काफी, किताब, पेन-पेसिंल सब को महंगा कर जनता से वसूली की। इसलिए अब सवाल उठ रहे हैं तमाम वस्तुएं आठ साल बाद भी कम कीमत पर मिल सकती हैं तो भाजपा सरकार ने इन्हें आठ साल तक महंगा क्यों किए रखा। जिस तरह का जीएसटी लागू हुआ है उससे व्यापारियों को कुछ समझ में नहीं आ रहा है। सरकार एक तरफ जीएसटी कम कर रही है और दूसरी तरफ बढ़ा रही है।

जनता भी समझ गई है कि भाजपा हारेगी तभी उसे महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय, भारी टैक्सों से राहत मिलेगी। प्रदेश और देश की जनता अब भाजपा को बख्शने वाली नहीं है। भाजपा का सफाया होना तय है। इनके दिन अब गिने-चुने है।

यूपी में सपा सरकार लागू करेगी दाम बांधो नीति

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने महंगाई कम करने का संकल्प लेते हुए ऐलान किया है कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश में दाम बांधो नीति लागू करेंगे। जरूरत की वस्तुओं को सस्ती करेंगे।

उन्होंने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया, नेताजी मुलायम सिंह यादव दाम बांधों नीति की बात करते थे। समाजवादी सरकार में इसका प्रयास हुआ था। भविष्य में इसे लागू करेंगे।

25 सितंबर को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार काम नहीं कर रही है। भाजपा सरकार ने जीएसटी लगाकर महंगाई बढ़ाकर जनता को लूटा है और अपना खजाना भरा है। भाजपा के लोग जनता को धोखा दे रहे हैं।

इस सरकार को नौ साल बाद पता लगा कि दूध, दही, किताबें, खाने-पीने की चीजें, कपड़े और अन्य सामान महंगे हैं। श्री यादव ने कहा कि सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार मुनाफाखोरी करा रही है। जब तक मुनाफा कमाना बंद नहीं होगा तब तक महंगाई कम नहीं होगी।

सपा मुखिया ने कहा कि जीएसटी कम करने के नाम पर जनता को धोखा दिया जा रहा है। भाजपा सरकार जिन चीजों की कीमतों को दो चार रुपये कम करने का प्रचार कर रही है उससे किसानों को क्या लाभ हुआ है। अगर क्रीम, पाउडर पर 2 या 3 रुपये कम हो जाएगा तो उससे किसान को क्या लाभ होगा। नौजवानों को कितनी नौकरी रोजगार मिलेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के पास कोई नैरेटिव नहीं बचा है, कोई कार्यक्रम नहीं है इसीलिए धोखा देने के लिए मुख्यमंत्री जी और सरकार के लोग बाजारों में निकले। जनता इन धोखा देने वालों को सबक सिखाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग पीडीए की एकता से घबराए हुए हैं। समाजवादी पार्टी ने जब से प्रदेश में नियुक्तियां-पोस्टिंग और विभिन्न स्थानों पर पीडीए का ग्राफ बनाकर जारी किया है तब से भाजपा इधर-उधर भाग रही है, घबराई हुई है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वायदाखिलाफी भी भ्रष्टाचार होता है। भाजपा के लोग मुंह से स्वदेशी हैं। मन से विदेशी हैं। भाजपा सरकार चीन से व्यापार बढ़ाती है और बात स्वदेशी की करती है। यहां का पूरा बाजार चीन के सामानों से भरा पड़ा है। चीन हमारे कारोबार और मार्केट पर कब्जा कर रहा है। एक तरफ भाजपा के लोग स्वदेशी और मेकिंग इंडिया की बात करते हैं, वहीं पूरा मार्केट विदेशी कम्पनियों को दे दिया है।

जीएसटी में यह कैसा सुधार कैसा उत्सव

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

नरेंद्र मोदी ने गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स अर्थात जीएसटी का आखिरी दम तक विरोध किया था। वही मोदी आज जीएसटी लाने और इसके रेट में बदलाव को आर्थिक सुधार का नया चरण और उत्सव मनाने वाला फैसला बताकर इसका राजनैतिक श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

यूपीए शासन काल में की इस पहल का, जिसमें सारे देश में भिन्न भिन्न बिक्री कर और स्थानीय करों की जगह एक कर लेने की बात थी, भाजपा के सभी मुख्यमंत्री विरोध करने लगे। मोदी जी तो आखिर तक इसके विरोध में रहे। लेकिन केंद्र की सत्ता में आते ही इसे आधे अधूरे ढंग से लागू किया गया। एक की जगह पांच दरों और स्थानीय कर के मामले में स्थानीय शासन को अधिकार देने के साथ। जीएसटी लागू होने के बाद से ही इसकी गड़बड़ियों और इसके दुष्प्रभावों की चर्चा होती रही और फिर कोरोना से निकली अर्थव्यवस्था में इसके हर माह नया रिकार्ड बनाने का शोर भी मचता रहा। माना जाता है कि आठ साल की अवधि में सरकार ने चालीस लाख करोड़ रुपए ज्यादा वसूल लिए हैं। इसलिए इस बार के कदम को सुधार या उत्सव कहने की जगह करेक्शन कहना चाहिए। इसके साथ ही ज्यादा वसूली की सफाई और क्षतिपूर्ति का प्रावधान भी होना चाहिए था।

जब आम तौर पर 12 फीसदी रेट घटकर 5 फीसदी और 28 फीसदी वाला रेट कम करके 18 फीसदी कर दिया गया है तो वसूली कम होगी ही। यह सफाई भी आनी चाहिए थी कि आखिर यह गलत वसूली आठ साल क्यों की गई और बाकी तकलीफों और शिकायतों को कब तक निपटाया जाएगा। पाठ्यपुस्तकों समेत कुछ ऐसी चीजों को पहली बार कर के दायरे में लिया गया है जिसे अभी तक कभी कर वसूलने की चीज नहीं माना गया था। यह भाजपा की प्राथमिकता में पढ़ाई-लिखाई के महत्व को बताता है। यह वृद्धि पाठ्य-पुस्तकों, कापियों से लेकर किताब व्यवसाय को बुरी तरह प्रभावित करेगी क्योंकि करों का बोझ लगभग ढाई गुना बढ़ गया है।

यह मात्र संयोग है कि जब जीएसटी का फैसला हुआ था, उसके आसपास प्रधानमंत्री

ने नोटबंदी लाकर पूरी अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया था। मोटा अनुमान है कि उससे हमारी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई-करीब दो फीसदी की।

प्रो अरुण कुमार जैसे शीर्षस्थ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अब बनी व्यवस्था भी जहाज और बैलगाड़ी को साथ दौड़ाने के चलते बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े उद्योगों से उत्पादित माल को ज्यादा बढ़ावा देगी। उनसे प्रतियोगिता न करने वाले छोटे उद्यमी दिन ब दिन बर्बादी की तरफ बढ़ते जाएंगे।

आज आनलाइन खरीदारी में सामान पहुंचाने वाले लड़कों की संख्या एक करोड़ के पार हो गई है जो इस बदलाव का सबसे अच्छा प्रमाण है और इसने कितने छोटे व्यापारियों का धंधा चौपट किया है यह अंदाजा भी डराता है। इसके साथ मिलकर जीएसटी छोटे उद्यमियों की कमर तोड़ देगी। असल में यह इस कर प्रणाली में मौजूद दोष को ही बताता है। जिस पैसे को बाद में लौटाना है वह वसूला ही क्यों जाए। सरकार पूरी प्रक्रिया पर पुनर्विचार नहीं कर रही है, कोई रुका हुआ सुधार नहीं आने वाला है। यह मात्र एक करेक्शन है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि पुराने छपे मूल्य या मात्रा वाले सामान पर नया कर लिया जाएगा या पुराने रेट पर ही वसूली होगी। यह चीज अंतत: ग्राहक के मत्थे जानी है।

ग्राहक उत्सव और देसज उत्पादन जैसे नारों से प्रधानमंत्री जिस चीज को छुपा रहे हैं वह है कल के उनके सुपर दोस्त ट्रम्प द्वारा भारी भरकम टैरिफ लगा देना। जीएसटी में इस बदलाव की यही वजह है। सरकार ने भी जल्दी से हां किया है क्योंकि इस करेक्शन की जरूरत बढ़ गई है।

ट्रम्प के फैसलों से पूरा आर्थिक माहौल भारी उदासी और अनिश्चितता से भर गया है। इस फैसले से केंद्र को कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा। जानकारों का मानना है कि अगर अभी घोषित सारे रेट उसी तरह लागू हुए तो जीएसटी वसूली में 8.6 फीसदी की कमी आएगी जो केंद्र और राज्यों के राजस्व का मात्र 0.25 फीसदी ही रहेगा। अगले वित्त वर्ष में यह 0.12 फीसदी फीसदी रहेगा।

ग्राहक उत्सव और देसज उत्पादन जैसे नारों से प्रधानमंत्री जिस चीज को छुपा रहे हैं वह है कल के उनके सुपर दोस्त ट्रम्प द्वारा भारी भरकम टैरिफ लगा देना। जीएसटी में इस बदलाव की यही वजह है

सरकार कर वसूली ढांचे के स्वरूप में बदलाव इसलिए नहीं करेगी क्योंकि जीएसटी ने हर छोटे बड़े व्यवसायी और सेवादार को इनफारमल सेक्टर से निकालकर फार्मल सेक्टर में ला दिया है और सूचना तकनीक के नेटवर्क की निरंतर निगरानी में पहुंचा दिया है।

इससे टैक्स सर्विलांस (निगरानी) बढ़ा है और सरकार की कमाई भी बढ़ते हुए लगभग 12 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इस निगरानी से सिर्फ जीएसटी का लाभ नहीं है, इससे पीएफ खातों का हिसाब बढ़ा है और बिना नौकरियां या रोजगार दिए मजदूरों की संख्या बढ़ाने का दावा होने लगा है। उत्पादन के आंकड़ों में भी फर्क आया है क्योंकि वहां भी खरीद-बिक्री और क्रेडिट प्वाइंट के आधार पर कर राहत का खेल कई तरह से चलता है।

अभी तक किसी भी स्तर पर यह चर्चा नहीं है कि सरकार पेट्रोलियम उत्पादों को भी जीएसटी की सामान्य सूची में ला देगी जबकि यह बात शुरू से कही जाती रही है। हम जानते हैं कि जब से यह व्यवस्था बनी है सरकार पेट्रोलियम उत्पादों को बाहर रखकर हर साल दो ढाई लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त कर वसूल रही है और कभी कीमत घटाने पर लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दिया जाता।

मनमोहन सरकार ने 135 डालर बैरल पर पेट्रोलियम खरीद कर जिस दाम पर उपलब्ध कराया आज सरकार 70-72 डालर पर तेल लेकर उससे ड्योढ़ा कीमत वसूल रही है। पेट्रोल के बड़े व्यापारी मालामाल हुए हैं या सरकार। चर्चा है कि सरकार आनलाइन गेमिंग को 40 फीसदी कर वाले सुपर ग्रुप में लाकर मोटा राजस्व वसूलेगी। इसका व्यवसाय बहुत तेज हुआ है (एक साल में लगभग छह गुना वृद्धि है)।

सिगरेट, तंबाकू और गुटखा पर ज्यादा कर का तर्क समझा जा सकता है लेकिन पेट्रोल-डीजल को जीएसटी से बाहर रखना, सट्टेबाजी को बढ़ावा देकर खजाना भरना सामान्य तर्क से बाहर है। फिर भी कोई इसे रिफ़ार्म कहे तो यह बात हजम नहीं होती लेकिन मोदी जी तो ट्रम्प से मिले टैरिफ झटके की झेंप मिटाने के लिए उत्सव ही मनाने लगे हैं।

पुलिस की घेराबंदी धरी रह गई
जेपी की प्रतिमा पर हो गया माल्यार्पण

बुलेटिन ब्यूरो

लोकनायक जय प्रकाश नारायण की जयंती पर 11 अक्टूबर को इस साल भी भाजपा सरकार ने तानाशाही का परिचय देते हुए लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) पर भारी पुलिस बल तैनात कर का रास्ता बंद कर दिया। ताकि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जेपीएनआईसी परिसर में लगी लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण न कर सकें।

दरअसल भाजपा सरकार की मंशा समझ से परे है कि जेपीएनआईसी में क्या है जिसे वह छिपाना चाहती है। उसे डर है कि कहीं उसकी पोल न खुल जाए। लोकनायक की जयंती पर जेपीएनआईसी पर सरकार का यह पहरा किसी की भी समझ में नहीं आता कि आखिर महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने से भाजपा को क्या दिक्कत है।

लेकिन पुलिस के सख्त पहरे और भारी बैरिकेडिंग के बावजूद समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा और युवा साथी अमर यादव ने जेपीएनआईसी में जाकर लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और समाजवादियों की पहचान लाल टोपी लगाकर भाजपा की तानाशाही को करारा जवाब दिया। सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव ने बाद में दोनों नौजवानों को पार्टी मुख्यालय पर सम्मानित किया।

श्री अखिलेश यादव ने लोकनायक जय प्रकाश नारायण की जयंती पर नमन करते कहा कि समाजवादी नेता जय प्रकाश नारायण जी को समर्पित जेपीएनआईसी

जैसा अन्य म्यूजियम और स्मारक पूरे देश में कहीं नहीं है। हम लोग इसे देखना और माल्यार्पण करना चाहते थे लेकिन भाजपा सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए सब कुछ बर्बाद कर दिया। भाजपा बिहार में जेपी के नाम पर किस मुंह से वोट मांगेगी।

लोकनायक की जयंती पर समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ समेत सभी जिलों में जय प्रकाश नारायण की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। पार्टी मुख्यालय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज हम सभी लोग लोक नायक जय प्रकाश जी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। समाजवादी सरकार ने जयप्रकाश जी के नाम पर जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल केन्द्र (जेपीएनआईसी) सोशलिस्ट म्यूजियम बनाया। भाजपा सरकार ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया। इसकी दुर्दशा कर दी है।

सरकार इसे बेचना चाहती है। समाजवादियों ने संकल्प लिया है कि भाजपा सरकार चाहे जितना छिपाए और जितना रोके हम लोग जेपीएनआईसी बिकने नहीं देंगे। समाजवादी सरकार में इस म्यूजियम को और अच्छा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी से समाजवादियों का राजनीतिक और भावनात्मक लगाव है।

जब इसका शिलान्यास हुआ था, तब नेताजी मुलायम सिंह यादव, जार्ज फर्नांडीज और समाजवादी पार्टी के बहुत बड़े-बड़े नेता मौजूद थे। भाजपा सरकार ने इसे बर्बाद करने के साथ ही छिपा दिया है जिसमें देश

की जनता इसे देख न पाए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण जी ने सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने तथा समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों को विरासत में जो चीजें मिली हैं, हम उसे आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। हम लोग जयप्रकाश जी की तरह जनता को जगाकर इस तानाशाही और अत्याचारी सरकार को हटा देंगे। जय प्रकाश जी ने सम्पूर्ण क्रांति का जो नारा दिया वह आज भी प्रासंगिक है। समाजवादी पार्टी जमीन पर जितना काम करेगी लड़ाई उतना कामयाब होगी। इसलिए समाजवादी लोग जमीन पर संघर्ष करें और जनता को जागरुक करें।

पत्रकारों के सवाल के जवाब में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों का सिद्धांत नहीं बदला है। सिद्धांत कभी नहीं बदलता है। जिन कारणों को लेकर जेपी को उस उम्र में बीमारी की हालत में जनता के बीच आना पड़ा, नौजवानों की बात को रखना पड़ा और सम्पूर्ण क्रांति का आह्वान करना पड़ा वही परिस्थितियां आज भी हैं।

जातीय आधार पर भेदभाव हो रहा है। जाति सूचक शब्दों को बोलकर पीड़ा पहुंचाई जा रही है। हाल ही में रायबरेली में वाल्मीकि समाज के नौजवान के साथ जो घटना हुई ऐसी घटनाएं उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही हैं। जाति के आधार पर भेदभाव के चलते हरियाणा में आईपीएस अधिकारी ने आत्महत्या कर ली और जाति के आधार पर मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका जा रहा है, यह गंभीर विषय है।

नाकामियां छुपाने को विपक्ष की आवाज दबा रही सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

बरेली में 26 सितंबर को हुए पुलिसिया जुल्म के शिकार लोगों से मिलने और वहां शांति बहाली के लिए सहयोग करने जा रहे समाजवादी पार्टी के नेताओं को भाजपा सरकार के इशारे में रोक दिया गया। यह पहली बार नहीं हुआ है जबकि प्रशासन ने भाजपा सरकार के इशारे पर विपक्ष की आवाज को दबाने और मजलूमों के दु:ख-तकलीफ को समझने जा रहे विपक्षी नेताओं के साथ तानाशाही रवैया अपनाया गया हो। सरकार अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए और पोल खुलने के डर से ऐसा कदम उठाती है।

बरेली में अल्पसंख्यक समाज पर हुई पुलिसिया बर्बरता और फर्जी मुकदमे लादने से आहत समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी के

प्रतिनिधिमंडल को बरेली जाने को कहा ताकि वहां के हालात का जायज़ा लिया जा सके। पीड़ितों से बात कर सचाई सामने लाई जा सके कि किस तरह भाजपा सरकार ने जुल्म की पराकाष्ठा कर दी।

4 अक्टूबर को यह प्रतिनिधिमंडल बरेली के लिए रवाना हुआ। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को लखनऊ में हाउस अरेस्ट कर लिया गया जबकि सपा सांसदों को जगह-जगह रोक लिया गया। ये सभी शांति बहाली में सहयोग के लिए जा रहे रहे थे। अधिकारियों ने भाजपा सरकार के आदेश के हवाले से आगे जाने की इजाजत नहीं दी और भारी पुलिस बल के जरिये सभी को आगे बढ़ने से रोक दिया।

प्रतिनिधिमंडल को रोके जाने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। संविधान विरोधी और अलोकतांत्रिक कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि अभी पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के नेतृत्व में जा रहे प्रतिनिधिमंडल को रोका गया था। अब बरेली जा रहे प्रतिनिधिमंडल को जगह-जगह रोका जाना भाजपा सरकार की नाकामी है। समाजवादी प्रतिनिधिमंडल को बरेली के डीआईजी और कमिश्नर से मिलकर वहां शांति बहाली की दिशा में प्रयास करना था।

पुलिस ने श्री माता प्रसाद पांडेय सहित प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों, सर्वश्री हरेन्द्र मलिक सांसद, इकरा हसन सांसद, जियाउर्रहमान बर्क सांसद, मोहिबुल्लाह नदवी सांसद, नीरज मौर्य सांसद, वीरपाल सिंह यादव पूर्व सांसद, प्रवीण सिंह ऐरन पूर्व सांसद, शिवचरन कश्यप जिलाध्यक्ष, शमीम खां सुल्तानी महानगर अध्यक्ष, अताउर्रहमान विधायक एवं प्रदेश महासचिव समाजवादी पार्टी शहजिल इस्लाम अंसारी विधायक, भगवत शरण गंगवार पूर्व मंत्री, शुभलेश यादव प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी को भी उनके घरों में पाबंद कर दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को एक बात समझ लेनी चाहिए कि वह बरेली की जनता पर अपना दमनचक्र चलाकर कुछ हासिल नहीं कर पाएगी। पीडीए जाग चुका है। पीडीए की एकजुटता के आगे भाजपा का अन्याय, अत्याचार टिकने वाला नहीं है। भाजपा का कुशासन, लूट और भ्रष्टाचार सब जनता जान चुकी है। सन् 2027 के चुनावों में भाजपा की दमनकारी, अहंकारी सरकार का सूपड़ा साफ होना तय है। अलोकतांत्रिक, जनविरोधी और अन्यायी भाजपा सरकार के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं।

डॉ लोहिया

भेदभाव और शोषण के खिलाफ आजीवन लड़े

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी चिंतक डॉ.राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि 12 अक्टूबर को राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिलों में मनाई गई।

समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने डॉ. लोहिया को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य कार्यक्रम राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित डा. लोहिया पार्क में हुआ।

समाजवादी पार्टी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोहिया पार्क पहुंचकर डॉ राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। श्री अखिलेश यादव के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी समेत अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी डॉ. राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

डॉ. राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोहिया जी ने गैरबराबरी, भेदभाव, नाइंसाफी और शोषण के खिलाफ जीवन पर्यन्त संघर्ष किया।

उन्होंने समाज में ऊंच-नीच, भेदभाव को खत्म करने और समाजिक-आर्थिक समानता के लिए सप्तक्रांति का आह्वान किया। श्री यादव ने कहा कि आज हम सभी लोग डॉ. लोहिया के विचारों, सिद्धांतों और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार में आने पर किसानों, नौजवानों, महिलाओं और सभी वर्गों की खुशहाली के लिए काम करेगी। समाजवादी सरकार ने पहले भी विकास किया आने वाले समय में भी जनता के हित में फैसले लिए जाएंगे, विकास कार्य होंगे।

डॉ.लोहिया ने जाति तोड़ो अभियान चलाया था। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जातीय उत्पीडन के खिलाफ कानून बनाया। भाजपा सरकार जातीय आधार पर भेदभाव कर रही है। अधिकारियों की तैनाती जाति के आधार पर होती है। जातीय उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रहीं हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी जल्दी ही दलितों और आम जनता पर हो रहे उत्पीड़न और जिलों-जिलों में जमीनों के अवैध कब्जों की सूची बनाकर भाजपा को बेनकाब करेगी।

कांशीराम

सपा सरकार लगाएगी बहुजन नेता की प्रतिमा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने राज्य मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में 9 अक्टूबर को बहुजन नेता मान्यवर कांशीराम जी की पुण्यतिथि मनाई। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और श्री कांशीराम जी के चित्रों पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने माल्यार्पण कर नमन किया। बौद्ध भंतेगणों ने भगवान बुद्ध की प्रार्थना की और आरती उतारी।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज की राजनीतिक परिस्थितियों और संघर्ष में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी, मान्यवर कांशीराम जी, नेताजी, डॉ. राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जी के बताए रास्ते को अपनाकर पीडीए को मजबूत करना है। सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूत करके सामाजिक न्याय राज की स्थापना के लिए पीडीए की सरकार बनाना है।

मान्यवर श्री कांशीराम जी को इटावा से सांसद बनाने के लिए समाजवादी पार्टी, नेताजी ने काम किया था। नेताजी और मान्यवर कांशीराम जी ने उस समय की सांप्रदायिक राजनीति का मुकाबला किया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर लखनऊ गोमती रिवरफ्रंट पर मान्यवर श्री कांशीराम जी की प्रतिमा लगाएंगे और 500 मीटर का एक बढ़िया पार्क उनके नाम से बनाया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह, मोहनलालगंज के समाजवादी पार्टी के सांसद आरके चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक सर्वश्री रविदास मेहरोत्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, फिदा हुसैन अंसारी, पूर्व विधायक अम्ब्रीश पुष्कर, राजेन्द्र यादव, गोमती यादव, श्याम किशोर यादव, रामबृक्ष सिंह यादव एवं हरगोविन्द भार्गव सहित लखनऊ के जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत, शब्बीर खां, लक्ष्मण यादव, विजय बहादुर सिंह, कृष्ण कन्हैया पाल एडवोकेट, धर्मेन्द्र सोलंकी, विजय यादव, राम प्रकाश यादव, इब्राहिम मंसूरी, पार्षद सुनील रावत, केशव रावत, राधेश्याम, शरद सरन सिंह, राम करन निर्मल समेत बड़ी संख्या में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर व मान्यवर कांशीराम जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण को लेकर सपा सजग

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा चुनावों की मतदाता सूची में भाजपा कोई धांधली या मनमानी न कर पाए इसलिए समाजवादी पार्टी इस बार पूरी तरह सजग है। समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग से मांग की है कि वह विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए मतदाता सूची समाजवादी पार्टी और दूसरे राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराए।

समाजवादी पार्टी ने कहा है कि पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ के साथ राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट भी सहयोग करें।

14 सितंबर को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन देकर मांग की है कि प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए समाजवादी पार्टी (राजनैतिक दलों) को 2003 की मतदाता सूची व 07 जनवरी 2025 को अन्तिम प्रकाशन के बाद से पुनरीक्षण शुरू करने की तारीख के बीच की मतदाता सूची निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए। जिससे कि मतदाता सूची को शुद्ध, दुरुस्त कराने में बीएलओ को बीएलए यानी रानजैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करें।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में करीब 1 लाख 90 हजार पोलिंग स्टेशनों में करीब 15 करोड़ 42 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हैं। विशेष पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची को शून्य (जीरो) करके बीएलओ घर-घर जाकर एक-एक मतदाता का सत्यापन करेंगे और "गणना प्रपत्र फार्म" (एन्यूमरेशन फार्म) भरेंगे।

मतदाता सूची को शुद्ध, दुरुस्त बनाने के लिए बीएलओ के साथ राजनैतिक दलों के बीएलए (बूथ लेवल एजेन्ट) सहयोग करेंगे, सत्यापन में मृतक, स्थाई रूप से स्थानान्तरित, बहुस्थानीय प्रविष्टियों और लापता मतदाता आदि मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए जाएंगे।

ज्ञापन में बताया गया कि 2003 के बाद, कई बार पोलिंग स्टेशनों का सम्भाजन एवं पुनर्गठन हुआ है जिसमें बड़ी संख्या में मतदाताओं के बूथ (पोलिंग स्टेशन) व मतदान केन्द्र (पोलिंग सेंटर) बदल गए हैं, जिन्हें चिह्नित करना बहुत जरूरी है।

बीएलओ के साथ सत्यापन कार्य में सहयोगी बीएलए (बूथ लेवल एजेन्ट) के पास उस बूथ (पोलिंग स्टेशन) की मतदाता सूची उपलब्ध

कराना बहुत जरूरी है।

वहीं 22 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन देकर बताया है कि 391-सेवापुरी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के भाग संख्या-60 में 121 मतदाताओं का नाम गलत ढंग से काट दिए गए जबकि उक्त मतदाता जीवित, अपने दर्ज पते पर स्थाई रूप से निवास कर रहे हैं।

बगैर फार्म-7 भरे, बगैर मतदाताओं को नोटिस दिए, मनमाने ढ़ंग से नाम काट दिए गए हैं जो गंभीर विषय है तथा भारत निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन है।

समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि उक्त शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर जांच कराई जाए, जांच में समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाए, दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही किया जाए जिससे भविष्य में पुनरावृत्ति न हो सके। समाजवादी पार्टी ने ज्ञापन के साथ गलत ढंग से काटे नामों की सूची भी निर्वाचन अधिकारी को सौंपी।

6 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर वाराणसी मंडल में हो रही मनमानी की शिकायत की और अधिकारियों को स्पष्ट आदेश जारी करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि वाराणसी मण्डल के जिलाधिकारियों द्वारा सत्ता पक्ष के समर्थकों से प्रारूप-18 व प्रारूप-19 (बल्क में) स्वीकार किये जा रहे हैं परन्तु समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष, समर्थकों से प्रारूप-18, प्रारूप 19 बल्क में स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं जोकि अलोकतांत्रिक असंवैधानिक और अत्यंत आपत्तिजनक मामला है।

हत्या, अपहरण व महिला अपराध में यूपी नंबर वन

बुलेटिन ब्यूरो

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा जारी आंकड़ों ने बता दिया है कि उत्तर प्रदेश में हत्या, अपहरण व महिला अपराध में न केवल इजाफा हुआ है बल्कि उत्तर प्रदेश इन अपराधों में देश में नंबर वन है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों के हवाले से कहा कि झूठे आंकड़े बनाने और अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने में भाजपा का कोई जवाब नहीं। जनता की आंखों में धूल झोंकने में उसे महारत हासिल है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों में उत्तर प्रदेश हत्या, अपहरण, महिला अपराध में नम्बर वन है लेकिन जैसा कि भाजपा की आदत है उसने सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी दिखा दी। उसके धोखा देने के कार्यक्रम की पोल खुल चुकी है। हर कोई अब भाजपा राज से छुटकारा पाने को बेताब है क्योंकि जब तक भाजपा रहेगी किसी की जिंदगी सुरक्षित नहीं रहेगी।

एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिला अपराध दर मामलों में सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए हैं। वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश में 223 बच्चों की हत्या, 19 की बलात्कार के बाद हत्या, 8160 बच्चों का अपहरण हुआ। उत्तर प्रदेश में दहेज हत्या के 2141 मामले दर्ज हुए। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 15074 मामले सामने आए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों के साथ अपराध के आंकड़े विचलित करने वाले है। दलितों का दमन चरम पर है। एनसीआरबी के अनुसार दलितों के प्रति अपराध में उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर है। उत्तर प्रदेश में दलित अपराध के 15130 मामले दर्ज हुए हैं। भाजपा के प्रभुत्ववादी, वर्चस्ववादी तत्व दलितों का हर तरह से उत्पीड़न कर रहे हैं। चूंकि भाजपा सरकार में जाति-धर्म देखकर कार्रवाई होती है इसलिए दलितों की कहीं सुनवाई नहीं होती है।

श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राज कानून व्यवस्था के मामले में बुरी तरह असफल है। सरकार अपराधियों पर नकेल कसने में फेल है। खुद उसके नेता ही खुलेआम कानून व्यवस्था को चुनौती देते दिखाई देते हैं जिन पर कोई अंकुश नहीं लगता है। मुख्यमंत्री जी सोचते हैं कि अपने विरोधी के घर बुलडोजर चला देने से प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम हो जाएगी। यह भ्रम है।

लॉयन सफारी

शेर और अखिलेश...

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 21 सितंबर को इटावा लॉयन सफारी का भ्रमण किया। समाजवादी सरकार में स्थापित हुए लॉयन सफारी पहुंचकर श्री अखिलेश यादव ने निरीक्षण किया और एक-एक बिंदु पर अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत की। भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि इटावा लॉयन सफारी का जो सपना कभी नेताजी और समाजवादियों ने देखा था, आज वह आगे बढ़ रहा है। इटावा लॉयन सफारी को पूरे देश में प्रसिद्धि मिल रही है।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में जनहित के मुद्दों पर नाकाम भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया है। किसानों को खाद-बीज नहीं मिलता है। अस्पतालों में दवाएं नहीं हैं। बिजली नहीं आती है। बिल ज्यादा आता है। जनता को बिजली को लेकर बहुत शिकायतें हैं। नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार नहीं है।

हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। भ्रष्टाचार, लूट और बेईमानी चरम पर है। लोगों के साथ बड़े पैमाने पर भेदभाव हो रहा है। अब इस सरकार की चलाचली की बेला है। इनका समय खत्म हो रहा। भाजपा ने नौ बजटों में जनता को कुछ नहीं दिया। झूठे वायदे और झूठ के अलावा कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जाने वाली है। समाजवादी सरकार आएगी। कारोबार बढ़ेगा। नौकरी, रोजगार मिलेगा। लोगों को न्याय मिलेगा। हर वर्ग के लिए काम होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को खाद, बीज, बिजली और अन्य सुविधाएं नहीं दे पा रही है। प्रदेश में खाद की कालाबाजारी हुई। खाद के लिए किसानों को लाइनें लगानी पड़ी। धरना-प्रदर्शन करना पड़ा। फिर भी डीएपी, यूरिया नहीं मिली। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि जो सरकार खाद, बीज, पानी नहीं दे पा रही, फसलों की खरीद नहीं कर पा रही है। उसे हटा दें। उन्होंने कहा कि सरकार समाजवादी पार्टी नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र कर रही है। भाजपा सरकार एक तरफ टॉप टेन अपराधियों की सूची तक नहीं बताती, वहीं दूसरी तरफ निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमों में जेल भेजती है। यह सरकार बहुत अन्याय और अत्याचार कर रही है। जनता सब देख रही है। आज थाने से लेकर हर जगह एक ही जाति के लोगों का बोलबाला है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के

काम करने के तरीके को पूरे देश की जनता जान चुकी है। भाजपा सरकार हर मामले में असफल हो चुकी है। अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। रुपया गिर रहा है। महंगाई बढ़ रही है। खाद, बीज नहीं है। नौकरी, रोजगार नहीं है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की आर्थिक और विदेश नीति फेल हो गई है। आज दुनिया में भारत के मित्र देशों की संख्या घट गई है।

जिन्हें अब तक भारत का मित्र देश माना जाता था वे भी व्यापार में चिढ़ा रहे हैं। भारत से व्यापार और कारोबार छीन रहे हैं। भाजपा सरकार के पास इन सवालों का जवाब नहीं है। हम सभी ने देखा कि भारतीयों को बेड़ियां और हथकड़ी लगाकर वापस भेजा गया। अपमानित किया गया। इतना अपमान भारतीयों का कभी नहीं हुआ जितना भाजपा सरकार में हुआ।

जंगली जानवरों के निशाने पर यूपी की जनता
सरकार बेखबर

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में जंगली जानवरों का आतंक बढ़ गया है और भाजपा सरकार को अपनी जिम्मेदारी का एहसास ही नहीं है।आंकड़े बताते हैं कि 2024 में जंगली जानवरों के हमले में प्रदेश में 60 लोगों की मृत्यु हुई और 220 लोग घायल हुए। यह सब गरीब परिवार के पीडीए समाज के लोग हैं। भाजपा सरकार ने मृतक परिवारीजनों और घायलों की कोई मदद नहीं की।

सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब से भाजपा सरकार आयी है जंगली जानवरों, बाघ, गुलदार, भेडियां, तेंदुआ के हमले से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह समस्या बहुत विकराल होती जा रही है। किसान और गरीब संकट में हैं। किसान खेती नहीं कर पा रहे हैं। अपनी फसलों को जानवरों से नहीं बचा पा रहे हैं। गरीब लोग डरे रहते हैं। जंगली जानवर बच्चों व मवेशियों को उठा ले जा रहे हैं। जानवरों के हमले और उनसे संघर्ष की घटनाएं हर दिन हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि इस सरकार में वन संपदा को लेकर बड़े पैमाने पर घोटाला हो रहा है। सरकार के साथ ही कार्पोरेट द्वारा वन संपदा का किया जा रहा दुरुपयोग बंद होना चाहिए। इस सरकार ने पर्यावरण, वनों और हिमालय क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचाया है। पर्यावरण और हिमालय को बचाने की आवाज सबसे पहले डॉ. राममनोहर लोहिया, नेताजी मुलायम सिंह यादव ने उठाई। उसी नीति पर चल कर पहाड़ और पहाड़ी राज्यों को बचाया जा सकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उद्योग लगाने के नाम पर पेड़ नहीं कटने चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह सस्टनेवल डेवलपमेंट पर ध्यान दे। ऐसा विकास करना चाहिए जिससे विनाश न हो। नौकरी, रोजगार के लिए इनवेस्टमेंट लाना पड़ेगा। उद्योग लगाना पड़ेगा लेकिन विनाश करके नहीं। सरकार जिनसे पेड़ कटवा रही है उन्हीं के लिए रेड कार्पेट बिछा रही है।

मेधावियों को अखिलेश ने दिए आईपैड-लैपटॉप

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में छात्र-छात्राओं के लिए कई तरह की योजनाएं शुरू की थीं जिसमें लैपटॉप का वितरण अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बना।

सरकार न होते हुए भी श्री अखिलेश यादव अभी भी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को समाजवादी पार्टी की ओर से आईपैड व लैपटॉप वितरण कर सराहनीय कार्य करने में जुटे हैं। श्री अखिलेश यादव पहले राजनेता हैं जो पार्टी की ओर से लैपटॉप व आईपैड वितरित करते हैं। यह उनकी सदाशयता,

छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने के विजन को दर्शाता है।

प्रतिभा को प्रोत्साहित करने वाले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से 14 सितंबर को दो मेधावियों सुश्री उजमा बानो तथा शैलेश सिंह चौहान ने भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। श्री अखिलेश यादव ने उन्हें लैपटॉप दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इन मेधावियों का कहना था कि अखिलेश जी जैसा विजन किसी और नेता में नहीं है। उन्होंने जो लैपटॉप दिया उसके लिए सराहना के शब्द काफी नहीं होंगे।

सुश्री उजमा बानो लखनऊ निवासी मोहम्मद आरिफ की पुत्री हैं। आईटी पीजी कॉलेज लखनऊ में फूड ऐंड न्यूट्रिशन में एमएससी में 2025 बैच की वह टॉपर हैं। उन्होंने गत वर्ष यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा में 99.33 प्रतिशत अंकों से सफलता प्राप्त की थी। बलिया जनपद निवासी श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान के पुत्र श्री शैलेश कुमार चौहान ने राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ से सिविल इंजीनियरिंग ट्रेड में प्रथम टॉप रैंक हासिल की है।

15 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ विश्वविद्यालय के 4 मेधावी टापर छात्र-छात्राओं को आईपैड देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की। टॉपरों के साथ उनके परिवारीजन भी श्री अखिलेश यादव से मिले।

लखनऊ विश्वविद्यालय की श्रद्धा यादव को 9 पदक, कमला नेहरू कॉलेज रायबरेली की चित्रा साहू को 8 पदक, सिटी कॉलेज के रवि चंद को 7, हरदोई के दिव्य कृपाल कॉलेज की प्रियांशी यादव को 6 पदक मिले हैं। इसमें चित्रा साहू के भाई अनूप साहू को पहले लैपटॉप मिल चुका है। उनकी बहन को आईपैड मिला है।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी सरकार में छात्रों को लैपटॉप दिया गया था, वह अभी भी चल रहा है। आगे समाजवादी सरकार बनने पर सबसे अच्छा लैपटॉप और टेबलेट दिए जाएंगे। बेटियों को आगे की पढ़ाई के लिए कन्या विद्याधन दिया जाएगा। नई पढ़ाई के लिए नया इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को अखिलेश ने बढ़ाए हाथ

बुलेटिन ब्यूरो

दीन-दुखियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर हमेशा मदद को आगे रहने वाले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, पंजाब में बाढ़ विभीषिका से जूझ रहे लोगों की पीड़ा सुनकर द्रवित हो गए और उन्होंने मदद के लिए सांसदों के एक दल को वहां रवाना किया।

सांसद धर्मेन्द्र यादव के नेतृत्व में पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचकर इस दल ने पीड़ा सुनी, समझी और वास्तविक स्थिति का आंकलन किया। समाजवादी पार्टी की ओर से पीड़ितों की मदद की।

यह पहली बार नहीं है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पीड़ितों तक सहायता पहुंचाई हो, वह हमेशा ही पीड़ितों की मदद के लिए आगे रहे हैं जिसकी एक नहीं हजारों मिसालें हैं। श्री यादव की संवदेनशीलता और दीन-दुखियों की मदद की वजह से हमेशा ही सराहना होती रही है।

20 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पंजाब प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य बाढ़ से प्रभावित इलाकों की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना और पीड़ित परिवारों की सहायता से जुड़ी आवश्यकताओं को समझना था।

प्रतिनिधिमंडल में आजमगढ़ सांसद श्री धर्मेंद्र यादव, सांसद श्री आनंद भदौरिया, पूर्व मंत्री श्री महबूब अली का चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर समाजवादी पार्टी चंडीगढ़ के प्रभारी श्री कुलदीप सिंह भुल्लर और चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्री विक्रम यादव सहित समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने खंटमान में खड़े लोगों से भेंट कर उनकी पीड़ा सुनी। पंजाब समाजवादी पार्टी के प्रदेश

अध्यक्ष सोहन लाल लगन के आवास पर पहुंचकर पार्टी के लोगों से भेंट की।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद श्री धर्मेंद्र यादव ने लुधियाना में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए समाजवादी लोग जुट रहे हैं। इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग और संवेदनशीलता के साथ प्रभावित जनता के साथ खड़ा रहना ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी और इंसानियत का फर्ज है।

उन्होंने कहा कि इस संकट के समय में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में बाढ़ पीड़ितों के साथ समाजवादी पार्टी मजबूती से खड़ी है। सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस संकट की घड़ी में पंजाब और बाढ़ पीड़ितों के साथ है। पूर्व मंत्री महबूब अली ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के साथ समाजवादी पार्टी हर तरीके से खड़ी है। जालंधर में हरद्वारी लाल जी के साथ सैकड़ों लोगों ने मुलाकात कर पार्टी के मजबूत करने की बात कही। सपा प्रतिनिधिमंडल अमृतसर स्वर्ण मंदिर पहुंचा जहां दरबार साहिब में मत्था टेक सर्वत्र भले की अरदास की।

सपा प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल लगन, डॉ. विक्रम विक्रम यादव, हरद्वारी लाल जी, कुलदीप सिंह भुल्लर, प्रीतिंदर सिंह कक्कू, गुरुदेव सिंह, अमर सिंह, बलवीर सिंह बल्ली, सत्य प्रकाश, आर के यादव, पंकज, कृष्ण कुमार, मंजीत सिंह, सुखदेव सिंह, हरजिंदर सिंह, मलकीत सिंह, क्रांति कुमार सिंह, प्रमोद पाल, मुन्ना साहनी, मो. फुरकान, ठाकुर रामसिंह, अशोक कुमार स्वामी, त्रिभवन सिंह आदि मौजूद रहे।

पंजाबी गायक का अखिलेश ने किया सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

पंजाब के मशहूर गायक मनकीरत ने 14 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से लखनऊ में भेंट की। श्री अखिलेश यादव ने उन्हें शाल ओढ़ाकर तथा बुके देकर सम्मानित किया।

श्री यादव ने कहा कि श्री मनकीरत न केवल हिन्दुस्तान बल्कि विदेशों में भी बहुत लोकप्रिय हैं। गीत-संगीत की दुनिया में उनका बड़ा नाम है। श्री यादव ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद में अब तक 5 करोड़ की धनराशि खर्च कर देने के लिए पंजाबी गायक मनकीरत की सराहना की।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सिख समाज ने देश-विदेश में अपनी मेहनत से अलग पहचान बनाई है। सरकार ने उनकी वैसी मदद नहीं की जैसी करनी चाहिए थी।

भाजपा की डबल इंजन सरकार किसान, नौजवान और महिला विरोधी है। हिरासत में मौतें हो रही हैं। फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। महिलाएं, बच्चियां असुरक्षित हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। लोकतंत्र में वोटों की लूट की जा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पंजाब में बाढ़ की समस्या गंभीर है। इससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। वे सब परेशान हैं। बड़ी संख्या में पशु और मनुष्य बाढ़ में बह गए हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने में सरकार विफल है। लोगों की सुरक्षा और पशु चारे की कोई व्यवस्था नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह बाढ़ग्रस्त परिवारों को हुए नुकसान की भरपाई करे। बाढ़ग्रस्त इलाकों में दवा-इलाज की व्यवस्था करे। बाढ़ का पानी उतरने पर फैलने वाले तमाम रोगों की रोकथाम की पहले से व्यवस्था करनी चाहिए।

महाराजा अग्रसेन का संदेश आज भी प्रासंगिक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ पर 22 सितंबर को महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन ने जिन जीवन मूल्यों को ग्रहण किया उनमें परम्परा व प्रयोग का संतुलित सामंजस्य अपने शासनकाल में स्थापित किया। समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। बंधुत्व और सद्भाव का उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है।
महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर प्रमुख रूप से सर्वश्री अवधेश प्रसाद सांसद, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, पूर्व विधायक रुश्दी मियां, विधायकगण सुरेश यादव, गौरव रावत तथा हृदयनारायण सिंह पटेल, पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय, अपर्णा जैन राष्ट्रीय सचिव, विशाल अग्रवाल, नितेंद्र यादव, संजय अग्रवाल, विनय गुप्ता, नीरज गुप्ता, सुनील जैन, अंकुश, अमर आदि ने भी नमन किया।

बापू व शास्त्री को नमन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ तथा प्रदेश के सभी जनपद कार्यालयों में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती श्रद्धापूर्वक सादगी से मनाई गई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि गांधी जी ने अपना संपूर्ण जीवन सत्य और अहिंसा को समर्पित कर रखा था। आज बाहरी दबावों और धमकियों के बीच आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के उनके मंत्र की याद की जा रही है। अगर उनके हिन्द स्वराज की मूलधारणाओं पर पहले से ही ध्यान दिया जाता तो आज संकट की स्थिति ही नहीं आती।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने गांधी जी और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सर्वश्री अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, राजकुमार मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ. राजपाल कश्यप पूर्व एमएलसी, राजेन्द्र यादव पूर्व विधायक, जयसिंह जयंत जिलाध्यक्ष, शब्बीर खान आदि ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में 7 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। प्रदेश कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से माल्यार्पण कर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने नमन किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिना सामाजिक न्याय के रामराज संभव नहीं है।महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है

सांसद श्री आरके चौधरी ने परिवर्तन चौक स्थित वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। वहीं लालबाग स्थित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम पाल पाल ने महर्षि वाल्मीकि जी के रास्ते पर चलने पर बल दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक श्री जुगल किशोर वाल्मीकि के साथ डॉ. राजपाल कश्यप, फाखिर सिद्दीकी, जयसिंह जयंत, मो.एबाद, विजय यादव, प्रदीप शर्मा ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। परिवर्तन चौक स्थित महर्षि जी की प्रतिमा पर सांसद आरके चौधरी के साथ श्री जुगल किशोर वाल्मीकि, जयसिंह जयंत, सीएल वर्मा आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

नेताजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए आये और 'पीडीए की जीत' का नया संकल्प लेकर गये सभी समर्थकों को हार्दिक धन्यवाद!

दिल से शुक्रिया!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

जब भाजपा सरकार जा रही है
तब गोमती की याद आ रही है

भाजपाई जान लें कि गोमती की उपेक्षा करने का उनका पाप बातों से नहीं धुलेगा।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

बरेली में इंसाफ़ और अमन में लगे सभी लोगों की कोशिश कामयाब हो रही है। सौहार्द के ख़िलाफ़ सत्ता की साज़िश सबके सामने आ चुकी है। बरेली में मेल-मिलाप की ही जीत होगी।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

क़ानून के हाथ लंबे होने चाहिए हिंसक नहीं।

Akhilesh Yadav @yadav... · 23 Sep

जब भाजपाई जवाब नहीं दे पा रहे हैं
तो सही सवाल को बेतुका बता रहे हैं

#नोटबंदी_के_भाई_नोटनंदी
#हो_जीसटी_की_SIR

अमर उजाला | झांसी

1.74 लाख डुप्लीकेट मतदाता आए सामने

770 बीएलओ कर रहे डोर-टू-डोर सत्यापन, संशोधित की जाएगी मतदाता सूची

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

मिलाप ही हमारी संस्कृति का सबसे सुंदर सिद्धांत है।

#काशी_भरत_मिलाप

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग जब परीक्षा करवा ही नहीं पाता है तो भंग क्यों नहीं कर दिया जाता।

ऐसे 'अपरिहार्य कारण' क्या हो सकते हैं कि जिनको बताया ही नहीं जा सकता। पारदर्शिता ही ईमानदारी को सुनिश्चित करती है और व्यवस्था में विश्वास को भी।

कुछ तो है जिसकी पर्दा-दारी है...

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग
23 एलनगंज, प्रयागराज–211002

पत्रांक/शि०से०आयोग/ 13/3 /अधियाचन/2025–26 दिनांक : 29-9-2025

विज्ञप्ति/आवश्यक सूचना

एतद्द्वारा सभी सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि विज्ञापन संख्या–02/2022 प्रवक्ता (पीजीटी) की दिनांक 15 व 16 अक्टूबर 2025 को निर्धारित लिखित परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित की जाती है। परीक्षा तिथि की सूचना पृथक से दी जायेगी।

उपसचिव

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

भाजपा सीधे क्यों नहीं कह देती कि वो हार देखकर हताश है। यूँ लोगों को नज़र बंद करके लोगों को परेशान तो न करे। पीडीए के ऊपर जो पाबंदी लगायी जा रही है, उससे कुछ होने वाला नहीं। जागा और चेतन पीडीए समाज अब और बंदिशें बर्दाश्त नहीं करेगा।

पीडीए प्रभुत्ववादियों को हराने-हटाने और अपनी सरकार बनाने के लिए वचनबद्ध है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

जब पूर्व सैनिक तक सरकार के निशाने पर हों तो समझ लेना चाहिए कि कुछ भी सुरक्षित नहीं है।

देश सरकार से स्पष्टीकरण की माँग करता है।

Kargil war veteran killed in protests, father asks: Is this how we treat patriots

Following

Akhilesh Yadav @yadav... · 25 Sep

ये PDA का नारा है
अब वक़्त हमारा है!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

सरकार द्वारा ताक़त का इज़हार करना उसकी कमजोरी की निशानी होता है। सरकारें लाठी चार्ज से नहीं सौहार्द-सद्भाव से चलती हैं।

घोर निंदनीय!

Akhilesh Yadav @yadav... · 02 Oct

सत्य एकमुखी होता है और असत्य दशमुखी!

आज सत्य की जीत का दिन है और उन महापुरुषों की जंयती का भी जिन्होंने सत्य और सादगी को ही जीवन माना।

आज बस सत्य का ही उत्सव है।

समस्त विश्व को दशहरा, गांधी-शास्त्री जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

क्योंकि 'उनकी' अंदरूनी साँठगाँठ है जारी
इसीलिए वो हैं ज़ुल्मकरनेवालों के आभारी

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

ये भी गोरखपुर नहीं है... भाजपा राज में जलभराव चतुर्दिक है। लगता है भाजपा वाले गाते हैं : न ज़िलों की सीमा हो, न राज्यों का हो अंतर...

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

'इटावा फ़ाउन्डेशन' द्वारा प्रतिभा का सम्मान किया जाना एक सराहनीय कार्य है। ऐसे सकारात्मक प्रशंसनीय प्रयास ही समाज की प्रगति और सौहार्द के लिए अनुकरणीय बनते हैं। 'इटावा फ़ाउन्डेशन' के सद्-प्रयासों से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई और समाज-सापेक्ष सुधारात्मक कार्य करते रहने के लिए अनंत शुभकामनाएँ!

Akhilesh Yadav @yadav... · 25 Sep

सरकार 'मरीज और डॉक्टर' का अनुपात बताए मतलब वर्तमान में कितने मरीजों के लिए कितने डॉक्टर उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य और चिकित्सा की उपेक्षा देश के मानव संसाधन की उपेक्षा है।

मेडिकल में स्नातक व पीजी की 10,023 सीटें बढ़ेंगी, छात्रों को मिलेंगे ज्यादा अवसर

कैबिनेट की मंजूरी : एमबीबीएस की 5,023 और स्नातकोत्तर की 5,000 सीटें इनमें शामिल, 15,034.50 करोड़ रुपये होंगे खर्च

डॉक्टरों और विशेषज्ञों की उपलब्धता बढ़ेगी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में होगा सुधार

शोध को बढ़ावा देने के लिए 2,277 करोड़

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

असर कैसे हो ऐसी दिखावटी दवा में
समस्या ज़मीन पर है और वो हवा में

बहराइच में भेड़िये की समस्या का हवाई सर्वेक्षण। शायद दिल्ली के ड्रोन और लखनऊ के हेलीकॉप्टर के बीच कोई मुक़ाबला चल रहा है। जितना खर्चा 'भेड़िया पर्यटन' पर किया उतना सच में कर देते तो भेड़िया भी पकड़ जाता है जनता का जीवन भी बच जाता।

भेड़िया दिखा क्या?

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

ऐसे लोग जो ख़ुद पर लगे मुक़दमे हटाते हैं
वो किस मुँह से औरों पर इल्ज़ाम लगाते हैं

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के दर्शन के सौभाग्यशाली क्षण।

आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरनेवाली ऊर्जा का ही नाम है।

आस्थावान रहें!

Akhilesh Yadav @yadav... · 02 Oct

गीत-संगीत के परम परचम पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र जी का देहावसान भारत देश की ही नहीं, संपूर्ण विश्व की अपूरणीय क्षति है।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि!

Akhilesh Yadav @yadav... · 06 Oct

महान किसान नेता बाबा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत जी की जयंती पर शत-शत नमन।

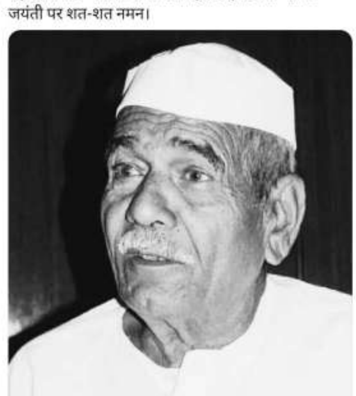

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

दलितों पर अपराध में UP No. 1

एक आँकड़ा ये भी है। भाजपा सरकार के काम को सिर्फ़ पक्षपात के चश्मे से नहीं, पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाए। उप्र में दलित दमन चरम पर है।

- ★ एक टीवी शो इस आँकड़े पर भी होना चाहिए।
- ★ एक होर्डिंग इस सच का भी लगना चाहिए।
- ★ एक विस्तृत रिपोर्ट इस पर भी समाचार के रूप में प्रसारित-प्रकाशित होनी चाहिए।
- ★ एक एसआईटी इसकी विवेचना के लिए भी बननी चाहिए।
- ★ एक अध्याय इसके लिए भी, पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए।
- ★ एक जाँच आयोग इसके लिए भी बैठाया जाए।
- ★ एक विशेष वाहिनी, दलित-दमन के उन्मूलन के लिए भी बनाई जाए।
- ★ एक श्वेतपत्र इस काले अपराध पर भी आना चाहिए।
- ★ एक रोड शो इस समस्या के बारे में भी जागरूकता फैलाने के लिए निकाला जाए।
- ★ एक 'पाँच हज़ार वर्षीय' आयोजन, इस ऐतिहासिक उत्पीड़न की 'पंच सहस्राब्दी' के रूप में, चेतना जगाने के लिए भी आयोजित किया जाए।

साभार: X@yadavakhilesh

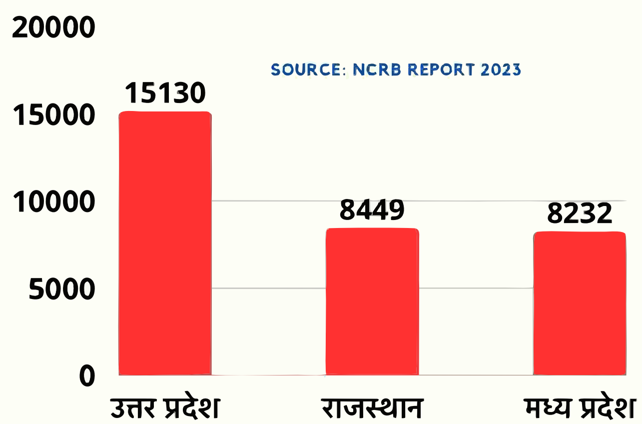

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party